



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 88 ग्वालियर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के विकास एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर की चर्चा मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री यादव से की सौजन्य भेंट



भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। मध्यप्रदेश प्राकृतिक संपदा, समृद्ध वन संपदा और जैव-विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य में पर्यावरण संरक्षण, वन क्षेत्रों के संवर्धन, वन्य जीवों के संरक्षण तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति के समर्पण के पर्व करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि, संपन्नता की कामना के पर्व करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि यह पर्व मातृशक्ति के समर्पण और तप का अद्भुत प्रतीक है, जो परस्पर सहयोग और मंगलमय जीवन के लिए अटूट विश्वास प्रकट करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी माताओं-बहनों की मनोकामनाएं पूर्ण हों, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

मुख्यमंत्री ने पद्म विभूषण कमलादेवी चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और भारतीय हस्तशिल्प के पुनर्जागरण की अग्रदूत, पद्म विभूषण से सम्मानित, कमलादेवी चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि हस्तशिल्प, लोककला और परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए कमलादेवी का समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

14 असफल प्रकरणों की समीक्षा

परिवार नियोजन कार्यक्रम में लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही : कलेक्टर



ग्वालियर जीएनएस

कलेक्टर रुचिका चौहान ने परिवार नियोजन कार्यक्रम की नियमित समीक्षा करने और इसे गंभीरता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के निर्धारित लक्ष्य पूरे किए जाएं और इसके लिए जिला स्तरीय सेवा प्रदायगी शिविर लगाकर ऑपरेशन कराए जाएं। बुधवार को कलेक्टर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय क्वालिटी इश्योरेंस कमेटी की बैठक में उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला परिवार कल्याण अधिकारी को ये निर्देश दिए।

कलेक्टर ने परिवार नियोजन के असफल प्रकरणों की समीक्षा करने पर जोर देते हुए कहा कि जिन सर्जन के यहां ऐसे अधिक मामले सामने आए हैं, उनके कार्यों

की जांच की जाए। साथ ही भविष्य में इस तरह के प्रकरणों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार परिवार नियोजन कार्यक्रम के लक्ष्य पूरे नहीं होने पर जिला परिवार कल्याण अधिकारी की जवाबदेही तय होगी।

बैठक में परिवार नियोजन के 14 असफल प्रकरण समीक्षा के लिए प्रस्तुत किए गए। इनमें से 12 मामलों में क्षतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई। इन प्रकरणों को भुगतान की अंतिम स्वीकृति के लिए राज्य स्तरीय समिति के पास भेजा जाएगा।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एमएस सागर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जीएस राजपूत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चक्रवात अरनब के प्रभाव से सुहावना हुआ मौसम, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में प्रबंधन सतर्क

भोपाल जीएनएस।

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात अरनब के प्रभाव से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सहित उमरिया एवं शहडोल जिले में मौसम सुहावना बना हुआ है। क्षेत्र में हल्की से मध्यम असांमयिक वर्षा के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल रही हैं। मौसम की



परिस्थितियों को देखते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा सतर्कता बरती जा रही है तथा प्रत्येक परिस्थिति पर कड़ी नजर

रखी जा रही है। चक्रवात अरनब ने 28 अक्टूबर की रात्रि लगभग एक बजे आंध्र प्रदेश के बापटला से विशाखापत्तनम के बीच नरसापुर एवं यनम के निकट समुद्र तट पर प्रवेश किया। इस दौरान हवाओं की गति 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक रही। तटीय क्षेत्रों में प्रभाव डालने के बाद चक्रवात के अवशेष के रूप में नम हवाएं मध्य

भारत की ओर बढ़ी हैं, जिसके प्रभाव से पूर्वी मध्य प्रदेश में मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा पूर्वी मध्य प्रदेश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अनुसार, अब तक वन्यप्राणियों की हानि, वृक्ष गिरने अथवा मार्ग अवरुद्ध होने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

हाई कोर्ट के निर्देश पर सतना में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माणों पर कार्रवाई

भोपाल जीएनएस

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के निर्देशों के पालन तथा विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा सतना जिले में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में किए गए निर्माणों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में पांच ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण करने पर संबंधित लोगों को कुल 94 नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें अधिकांश निर्माण डिलौरा क्षेत्र के हैं। एमपी ट्रांसको द्वारा स्थानीय प्रशासन के सहयोग से लोगों को प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण से होने वाले गंभीर विद्युत जोखिमों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। सतना में 132 केवी सतना सीमेंट, 132 केवी सतना-प्रिज्म सीमेंट, 132 केवी सतना-रामपुर, 132 केवी सतना-उचेहरा तथा 220 केवी सतना-कटनी ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में किए गए निर्माणों के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं।

शुद्धता एवं विश्वास के साथ कलात्मक एवं आधुनिक आभूषण

इस करवा चौथ

अपने जीवनसाथी को दें

प्यार का अनमोल उपहार

अग्रवाल ज्वेलर्स के खूबसूरत आभूषणों के साथ

हमारे शोरूम पर सोने का लिबास अनोखी अदा के साथ

100% HALLMARK JEWELLERY SHOWROOM EXPORTER

AGARWAL JEWELLERS

दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर फोन: 0751-4091328

हमारे यहाँ डायमंड नेकलेस की संपूर्ण व नवीनतम संग्रह उपलब्ध है



पुलिस बैंड की मनमोहक प्रस्तुति 28, 29 एवं 30 अक्टूबर को भोपाल के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर

भोपाल, जीएनएस।
मध्यप्रदेश सातवीं वाहिनी पुलिस बैंड द्वारा 28 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक शाम 4:00 बजे से 5:30 बजे तक भोपाल के बोट क्लब, शौर्य स्मारक भोपाल एवं

पुलिस पेट्रोल पंप जहांगीराबाद में मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी।
कमांडेंट सातवीं वाहिनी श्री हितेश चौधरी ने बताया कि पुलिस बैंड द्वारा देश भक्ति सहित अन्य गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह

कार्यक्रम सभी नागरिकों के लिए निःशुल्क आयोजित किया जा रहा है। 21 अक्टूबर पुलिस स्मृति दिवस एवं झंडा दिवस से 31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर तक दस दिवस

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें 28, 29 एवं 30 अक्टूबर को सातवीं वाहिनी पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति एवं अन्य गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

पीएम श्री विद्यालय बुखारी एवं गोहेडा में बैगलेस डे के तहत गतिविधियों का आयोजन

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में पीएम श्री शासकीय एकीकृत हाई स्कूल बुखारी एवं गोहेडा में बैगलेस डे के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं अनुभवात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री यश जैन ने बताया कि बुखारी विद्यालय में बैगलेस डे के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अभिनय एवं कला गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा ग्राम भ्रमण कर स्थानीय परिवेश का अवलोकन किया।

इसी प्रकार पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल गोहेडा में बैगलेस डे कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय

एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिवार की ओर से पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता, खेल भावना एवं व्यावहारिक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चित्रकला, मेहंदी, निबंध लेखन, रस्साकशी, कबड्डी, चम्मच दौड़, मिट्टी के खिलौने बनाना, कबाड़ से जुगाड़ तथा फूल-पत्तियों की सजावट सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पुरस्कार वितरण के दौरान विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

एसडीएम द्वारा कृषि उपज मंडी श्यापुर का निरीक्षण

श्यापुर, जीएनएस।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में एसडीएम एवं भारसाधक अधिकारी, कृषि उपज मंडी श्यापुर श्री गगन सिंह मीना द्वारा श्यापुर कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडी में कर्मचारियों की उपस्थिति, साफ-सफाई, किसानों के लिए छाया एवं नीलामी व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के संबंध में नियमानुसार एक दिवस का वेतन राजसात करने की कार्यवाई करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान

अनुपस्थित पाये गये कर्मचारी श्यामा शर्मा, सीमा कौशल, महेन्द्र सिंह, अमित धूलिया, दुष्यंत वर्मा, सुनील धूलिया, अनिल दौहरे का एक-एक दिन का तथा कीर्ति कस्तवार और रफीक अली का आधे-आधे दिन का वेतन काटने के निर्देश मंडी सेक्रेटरी को दिये गये। साथ ही मंडी परिसर में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

भारसाधक अधिकारी एवं एसडीएम श्री मीना ने मंडी प्रबंधन को निर्देशित किया कि मंडी में

उपज विक्रय के लिए आने वाले किसानों के बैठने एवं विश्राम हेतु पर्याप्त छाया की व्यवस्था की जाए। इसके अतिरिक्त कृषि उपज की नीलामी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को अपनी उपज के विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने मंडी परिसर में व्यवस्थाओं को नियमित रूप से बनाए रखने तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण विकसित करें: तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार

भोपाल, जीएनएस।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग महाविद्यालय, सागर की शासी निकाय के अध्यक्ष श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में शासी निकाय की 24वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार, अधोसंरचना विकास और महाविद्यालय में उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने से जुड़े विषयों पर चर्चा कर आवश्यक

निर्णय लिए गए। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए 3 करोड़ 89 लाख रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के उपकरण एवं फर्नीचर, प्रशिक्षण, विद्यार्थियों के लिए तकनीकी सुविधाओं, भवनों की मरम्मत तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की गई। इन प्रयासों से संस्थान के शैक्षणिक संसाधन सुदृढ़ होंगे और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

शासी निकाय ने स्वशासी निकाय के लोकसेवकों की

अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन, ग्रेजुएटी एवं अवकाश नकदीकरण से संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए एक समान नीति बनाने के उद्देश्य से प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने का निर्णय लिया। इससे प्रदेश के शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में ऐसे प्रकरणों के निराकरण में एकरूपता सुनिश्चित करने की दिशा में पहल होगी।

बैठक के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सदस्य सचिव डॉ. एस.डी. शर्मा ने विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

प्रदेश में स्वामित्व योजना में अब तक 7 लाख 62 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां पूर्ण

भोपाल, जीएनएस।
प्रदेश में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का वैधानिक अधिकार प्रदान करने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया जा रहा है। योजना के तहत ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित मकानों एवं भूखंडों के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार कर पात्र हितग्राहियों को उनकी निजी संपत्ति पर पंजीयन प्रमाण पत्र सौंपे जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 7 लाख 62 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं। अभियान के अंतर्गत अब हर दिन एक लाख से अधिक निःशुल्क रजिस्ट्रियां की जा रही हैं। योजना के माध्यम से प्रदेश के 40 हजार से अधिक गांवों के लगभग 50 लाख परिवारों को निःशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति पर स्पष्ट कानूनी अधिकार प्राप्त होने के साथ ही बैंक ऋण का लाभ लेने के अवसर भी

बढ़ेंगे।

सभी 55 जिलों में जारी है रजिस्ट्रियों का पंजीयन कार्य सभी 55 जिलों में ग्रामीणों को स्वामित्व के वैधानिक दस्तावेज प्रदान किए जा रहे हैं। छिंदवाड़ा में अब तक सबसे अधिक 36 हजार 982 रजिस्ट्रियां पूर्ण की गई हैं। इसके बाद राजगढ़ में 33 हजार 130, सागर में 29 हजार 543, छतरपुर में 27 हजार 119, शिवपुरी में 26 हजार 022, नरसिंहपुर में 24 हजार 919, उज्जैन में 24 हजार 576, सिवनी में 24 हजार 430, बालाघाट में 22 हजार 795 और रायसेन में 22 हजार 366 रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं।

इसी प्रकार विदिशा में 22 हजार 093, जबलपुर में 21 हजार 523, धार में 19 हजार 904, बैतूल में 19 हजार 843, सीहोर में 19 हजार 759, नीमच में 19 हजार 511, मंदसौर में 19 हजार 335, सतना में 17 हजार 156, मंडला में 16 हजार 719, इंदौर में

16 हजार 708, कटनी में 16 हजार 025, खंडवा में 15 हजार 700, नर्मदापुरम में 15 हजार 144, रीवा में 15 हजार 063, शाजापुर में 14 हजार 587, गुना में 13 हजार 446, देवास में 13 हजार 179 और ग्वालियर में 12 हजार 200 रजिस्ट्रियां पूर्ण की गई हैं।

इसके साथ ही डिंडोरी में 11 हजार 847, दमोह में 11 हजार 400, हरदा में 11 हजार 388, अशोकनगर में 11 हजार 207, खरगोन में 10 हजार 542, भिंड में 10 हजार 496, बड़वानी में 10 हजार 149, रतलाम में 9 हजार 847, मुरैना में 9 हजार 700, श्यापुर में 8 हजार 665, टीकमगढ़ में 8 हजार 562, आगर-मालवा में 8 हजार 202, पन्ना में 7 हजार 957, बुरहानपुर में 7 हजार 408, दतिया में 6 हजार 825, मैहर में 5 हजार 848, भोपाल में 5 हजार 318, निवाड़ी में 5 हजार 122, झाबुआ में 4 हजार 974, पांडुरंगा में 4 हजार 616, सीधी में 3 हजार

274, सिंगरौली में 2 हजार 258, शहडोल में 1 हजार 849, आलीराजपुर में 1 हजार 734, उमरिया में 1 हजार 576, अनूपपुर में 1 हजार 347 और मऊगंज में 1 हजार 42 रजिस्ट्रियां पूर्ण हो चुकी हैं।

स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 'सारा ऐप' और 'संपदा 2.0' जैसे डिजिटल माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। इनके माध्यम से संपत्ति संबंधी अभिलेखों के संधारण, पंजीयन एवं सत्यापन की प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और सुगम बनाया गया है। ग्रामीण आबादी भूमि पर काबिज पात्र नागरिकों को निःशुल्क पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराने से उनके संपत्ति संबंधी वैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। इससे ग्रामीण परिवारों को बैंक ऋण एवं अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ लेने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

घायल नर चीते की उपचार के दौरान मृत्यु, वन एवं पुलिस अधिकारियों के संयुक्त एसटीएफ का गठन

भोपाल, जीएनएस।

श्यापुर वन मंडल के कक्ष क्रमांक 748 में घायल अवस्था में मिले 19 माह के नर चीते चहत्त22 की मंगलवार सुबह उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। चीते को 25 अक्टूबर 2026 को घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया था। प्रारंभिक एक्स-रे जांच में चीते के शरीर के विभिन्न हिस्सों में फॉरेन पार्टिकल्स पाए जाने के बाद उपचार शुरू किया गया। पशु चिकित्सा दल के निरंतर प्रयासों और सर्जरी के बावजूद चीते को बचाया नहीं जा सका। घटना की विस्तृत जांच के लिए राज्य शासन ने वन एवं पुलिस अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का गठन किया है।

नर चीते चहत्त22 की मृत्यु के बाद भारत में चीतों की कुल संख्या 58 रह गई है। इनमें 52

चीते कूनों राष्ट्रीय उद्यान, चार गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य और 2 वीरगंगा दुर्गावती टाइगर रिजर्व में हैं।

श्यापुर के कूनों राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में संरक्षित 19 माह के घायल मिले नर चीते चहत्त22 को प्रारंभिक उपचार के बाद विशेषज्ञों से परामर्श पर विस्तृत जांच और गहन उपचार के लिए जबलपुर स्थित नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (हृष्टडूर) के पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी विभाग में स्थानांतरित किया गया। सीटी स्कैन में उसके शरीर के भीतर कई बाहरी वस्तुएं पाई गईं, जिनसे उसके आंतरिक अंगों, मांसपेशियों एवं हड्डियों की संरचना तथा तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा था। आपातकालीन सर्जरी के दौरान चीते के शरीर से बंदूक के पांच छर्रे निकाले गए।

आईटीएम 21 वे उद्भव उत्सव की समापन रात्रि में बच्चों ने नृत्य से बांधा समा

ग्वालियर, जीएनएस।

21वें आईटीएम उद्भव उत्सव के अंतिम दिन रात्रि में गाला नाइट का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों के द्वारा दी गई सुंदर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मगध मुग्ध कर दिया। आई टी एम कॉलेज के नाट्य थिएटर के खुले मंच पर आयोजित समारोह में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी, जिसे देखने के बाद दर्शक को तालियों थामने का नाम नहीं ले रही थी। समारोह को संबोधित करते हुए पद्मश्री कमलिनी ने कहा कि कमलिनी ने कहा कि कला कुछ कहे बिना ही सब कुछ कह देती है। कला में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा रहती है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में देश की सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना बहनें पद्मश्री नलिनी कमलिनी रही, अध्यक्षता

आईटीएम यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ ओमवीर सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आईटीएम ग्लोबल स्कूल की प्राचार्या गीता एस, कैसर अस्पताल एवं शोध संस्थान के निदेशक डॉ बी आर श्रीवास्तव के साथ उद्भव संस्था के अध्यक्ष डॉ केशव पांडेय और सचिव दीपक तोमर मंचासीन रहे। समारोह को संबोधित करते हुए पद्मश्री कमलिनी ने कहा कि भाव विचार और अभिव्यक्ति जब जुड़ जाते हैं तब हम सबको जोड़ लेते हैं। सुर के बदलने के साथ भाव बदल जाते हैं, डॉस इंटरनेशनल लैंग्वेज है। उन्होंने कहा कि अध्यात्म और कला अंदर के खालीपन को खत्म करता है। विशिष्ट अतिथि डॉ बी आर श्रीवास्तव ने मानव जाति के आरंभ



से नृत्य व संगीत के प्रारंभ का विस्तार से वर्णन किया। सचिव दीपक तोमर ने सभी प्रतिभागियों का उद्भव उत्सव में भाग लेने धन्यवाद दिया। अध्यक्ष डॉ केशव पांडे ने उद्भव के 30 साल के सफर और विभिन्न आयोजनों के बारे में बताया। कथक, भारत नाट्यम की प्रस्तुतियों ने बांधा समा

शाम को गाला नाइट में कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक कथक और भारत नाट्यम की प्रस्तुतिया दी।

समापन के पहले सत्र में भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी अपनी पत्नी श्रीमती शशि त्रिपाठी के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने मॉडल यूनाइटेड नेशंस की विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। एमयूएन में ओवरऑल प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रगति विद्यापीठ को ट्रॉफी प्रदान की गई।

मॉडल यूनाइटेड नेशंस में विभिन्न श्रेणियों में यह रहे विजेता मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) में प्रतिभागियों ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, वैश्विक

स्वास्थ्य, मानवाधिकार, सुरक्षा और पत्रकारिता जैसे विषयों पर अपनी तर्क क्षमता और संवाद कौशल का प्रदर्शन किया। ब्रिक्स में प्रांजीत श्रीवास्तव, डब्ल्यूएचओ में आराध्या यादव, मानवाधिकार परिषद में अनुष्का श्रीवास्तव और सुरक्षा परिषद में राघव गुप्ता सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि चुने गए। प्रेस कॉर्पस में वंशिका चौहान को सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार मिला।

शास्त्रीय नृत्य के 12 वर्ष से कम आयु वर्ग में हव्यायनी नायक, 12 से 18 वर्ष में रिधिमा सेन गुप्ता और 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ससत्रंषि पीवी प्रथम रहे। अर्द्धशास्त्रीय नृत्य में इन वर्गों में क्रमशः सोफिया बुराटो, वाणी पाठक और पाल गुप्ता ने पहला स्थान हासिल किया। समूह वाद्य

संगीत में परिमिता हेरिटेज प्रथम रही, जबकि एकल ताल वाद्य श्रेणी में एवीके कृतिक और ओपन वाद्य श्रेणी में चेन्नई की ट्यूनिंग माइंड्स, ए कल्चरल अकादमी को प्रथम पुरस्कार मिला। चार दिवसीय उत्सव का समापन कला, संस्कृति और बौद्धिक विमर्श के संगम के साथ हुआ। भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 21वें आईटीएम उद्भव उत्सव 2026 इंटरनेशनल कल्चरल ओलंपियाड में देश-विदेश से आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सफलता के चार सूत्र बताए। उन्होंने युवाओं से अपनी सोच खुली रखने, निरंतर सीखने और लक्ष्य हासिल होने तक प्रयास जारी रखने का आह्वान किया।

सांदिपनि पद्मा कन्या विद्यालय में छत गिरने की घटना के लिये जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई

उपयंत्री व सहायक यंत्री निर्लांबित, परियोजना यंत्री को कारण बताओ नोटिस

ग्वालियर, जीएनएस।

सीएम राज्ज योजना के तहत निर्माणाधीन सांदिपनि पद्मा कन्या विद्यालय में स्लैब कास्टिंग के दौरान छत गिरने की घटना को राज्य शासन द्वारा विशेष गंभीरता से लिया गया है। इस सांदिपनि विद्यालय भवन निर्माण के पर्यवेक्षण का कार्य देख रहे पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के सहायक यंत्री राजदीप सिंह जादौन व उपयंत्री सतेन्द्र पाण्डेय को निर्लांबित कर दिया गया है। साथ ही परियोजना यंत्री (कार्यपालन यंत्री) पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम मनोज आचार्य के खिलाफ कार्रवाई के लिये कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम श्री अनंत कुमार सिंह द्वारा

इस कार्रवाई के संबंध में अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं।

ज्ञात हो निर्माणाधीन सांदिपनि पद्मा कन्या विद्यालय में सोमवार को स्लैब कास्टिंग के दौरान छत गिरने की घटना गिरने की घटना हुई थी, जिसमें कुछ श्रमिक घायल हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने श्रमिकों के इलाज की व्यवस्था कराने के साथ-साथ प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम श्री अनंत कुमार सिंह से फोन पर चर्चा की थी।

प्रबंध संचालक श्री सिंह ने घटना को गंभीरता से लेकर मौके पर जाँच दल भेजने के निर्देश दिए थे। इस क्रम में भोपाल से आए दल द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया, जिसमें प्रथम दृष्टया उपयंत्री, सहायक यंत्री एवं कार्यपालन यंत्री की उदासीनता सामने आई। प्रबंध संचालक इस लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की है।

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर जिले में नरवाई एवं धान की पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से चौपाल लगाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला स्तर से गठित दलों द्वारा मंगलवार को विभिन्न ग्रामों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चौपाल लगाकर पिछले वर्ष नरवाई एवं पराली जलाने की घटनाओं से प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर किसानों को फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने तथा खेतों में आग नहीं लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कृषि यंत्री तथा विभाग के अधिकारियों ने नरवाई प्रबंधन पर प्रशिक्षण भी दिया।

उप संचालक किसान

किसानों को फसल अवशेष न जलाने की समझाइश

जिले में चौपाल लगाकर किसानों को पराली व नरवाई प्रबंधन के लिए किया जा रहा है जागरूक



कल्याण एवं कृषि विकास श्री भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि जागरूकता अभियान के दौरान किसानों को बताया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों को जलाना भूमि की उर्वरता, पर्यावरण और कृषि उत्पादन की दृष्टि से नुकसानदायक है। नरवाई जलाने से मिट्टी में उपलब्ध जैविक पदार्थ एवं लाभकारी सूक्ष्मजीव प्रभावित होते हैं। इसके अतिरिक्त धुएँ से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा आग अनियंत्रित होने पर आसपास की

फसलों, पेड़-पौधों और अन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है।

अभियान के दौरान किसानों को जिले में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों एवं फसल अवशेष प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी गई। किसानों को समझाया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में उपलब्ध नमी, मिट्टी की स्थिति तथा आगामी फसल की आवश्यकताओं के अनुसार उपयुक्त कृषि यंत्रों का उपयोग कर बिना पराली जलाए अगली फसल की बोनी की जा सकती है।

पराली प्रबंधन में कृषि यंत्रों के उपयोग की सलाह

किसानों को हेमपी सीडर, सुपर सीडर, जीरो टिलेज सीड ड्रिल तथा उपयुक्त सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल जैसे कृषि यंत्रों की उपयोगिता के बारे में बताया गया। इन यंत्रों का चयन खेत में बचे फसल अवशेषों की मात्रा, मिट्टी की स्थिति तथा बोई जाने वाली फसल के अनुरूप किया जाना चाहिए। इनके समुचित उपयोग से खेत की अनावश्यक जुलाई में कमी लाने, उपलब्ध नमी का बेहतर उपयोग करने तथा समय पर अगली फसल की बोनी करने में सहायता मिलती है। किसानों को बताया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में पर्याप्त नमी उपलब्ध होने पर उचित तकनीक से सीधे बोनी करने से भूमि की नमी संरक्षित रखने में मदद मिलती है। जिला स्तरीय दलों द्वारा किसानों को नरवाई प्रबंधन के दीर्घकालीन लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला 17500 का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बार-बार समझाने के बाद भी सड़क पर कचरा फैकने एवं गंदगी फैलाने से नही मानने वालों के खिलाफ निरंतर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को 17500रु. का जुर्माना गंदगी फैलाने वालों पर लगाया गया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के तहत नगर निगम आयुक्त श्री

अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशन में आज मंगलवार को वार्ड क्रमांक 33, वार्ड क्रमांक 37, वार्ड क्रमांक 46, वार्ड क्रमांक 40 एवं वार्ड क्रमांक 54 के दुकानदारों द्वारा सड़क पर गंदगी फैलाने पर नगर निगम की एसटीएफ टीम द्वारा दुकानदारों पर 12000 का लगाया जुर्माना लगाया गया। कार्यवाही के दौरान एसटीएफ प्रभारी श्री सोनू दौदेरिया, श्री धर्मेन्द्र धीरज

धौलपुरिया, श्री लव पारुचे, श्री जावेद खान, श्री रिक्की करोसिया, एवं आईसी टीम एवं डब्ल्यूएचओ श्री मिथुन राणा, श्री रवि गोहर, श्री संतोष सरवन उपस्थित रहें।

इसके साथ ही वार्ड 14 मां बिहार कॉलोनी स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकते पाए जाने पर निवासरत श्री जावेद खान से 500रु. का जुर्माना वसूला गया। एचओ श्री शरण कुमार, जेडएचओ श्री रवि करोसिया,

डब्ल्यूएचओ श्री प्रमोद करोसिया, आईईसी मंबर श्री विपेंद्र राजपूत, सुपरवाइजर श्री धर्मेन्द्र राजपूत उपस्थित रहें। साथ ही वार्ड 18 में दुकानदारों एवं ठेले वालों से अमानक पॉलिथीन ज्वत् कर 1000 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही जोन 20 वार्ड क्रमांक 53 में स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चौहान एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचन्द्र धोलपुरिया के निर्देशन में

कलर स्प्रे मशीन द्वारा रोड पर गंदगी फैलाने पर ?1000 का जुर्माना किया गया एवं भविष्य में पुनः इस प्रकार की गलती ना की जाए इसकी हिदायत दी गई। इसके साथ ही वार्ड 42 में कचरा फैलाने वाले दुकानदारों पर 3000 रु. का जुर्माना लगाया गया कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री योगेन्द्र यादव, जेडएचओ श्री विकेश बागणे, डब्ल्यूएचओ श्री हेमराज चौहान उपस्थित रहें।

भिण्ड-गोरमी
 के
समाचार
विज्ञापन
 के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

Har Khushi Ki Pahali Pasand

SCAN TO SHOP

OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

राजनीति में शब्दों की मर्यादा: जब वाणी विवेक पर भारी पड़ जाए

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं... अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत्। स्वाध्यायाभ्यासनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते॥

अर्थात् ऐसी वाणी, जो दूसरों के मन में अनावश्यक उद्वेग पैदा न करे, सत्य हो, प्रिय हो और हितकारी हो, वाणी का तप कहलाती है। यह श्लोक केवल व्यक्तिगत जीवन में बोलचाल का सलीका सिखाने के लिए नहीं है। सार्वजनिक जीवन, राजनीति और सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए भी इसका महत्व उतना ही है। कब बोलना है, किस परिस्थिति में बोलना है और किन शब्दों का इस्तेमाल करना है, इसका विवेक ही किसी व्यक्ति की राजनीतिक परिपक्वता की पहचान बनता है।

राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्ता पक्ष से सवाल पूछना, सरकार की नीतियों की आलोचना करना, सरकार को कठघरे में खड़ा करना और चुनाव में उसके खिलाफ जनमत तैयार करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, लोकतंत्र की जरूरत भी है। लेकिन जब राजनीतिक तर्क की जगह व्यक्तिगत कटाक्ष लेने लगें और असहमति जताने के लिए ऐसे शब्द चुने जाएं, जिनसे विवाद का विस्तार मुद्दों से हटकर परिवार तक पहुंच जाए, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि राजनीति किस दिशा में जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी ने इसी प्रश्न को फिर सामने ला दिया है। बिहार की राजधानी पटना में 25 अक्टूबर को एक कार्यक्रम के दौरान खड़गे ने कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा।' यह टिप्पणी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उस समय आई, जब श्रोताओं में से एक व्यक्ति प्रधानमंत्री के पद से मोदी के न जाने की बात कह रहा था। इसके बाद बयान पर विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को लेकर की गई अमर्यादित टिप्पणी बताया, जबकि कांग्रेस ने संदर्भ और वैचारिक आशय का हवाला देते हुए उनका बचाव किया।

विवाद का केंद्र केवल एक वाक्य नहीं है। असली सवाल यह है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टियों में से एक के राष्ट्रीय अध्यक्ष से सार्वजनिक मंच पर किस तरह की भाषा की अपेक्षा की जाती है। खड़गे कोई सामान्य कार्यकर्ता नहीं हैं। वह दशकों के राजनीतिक अनुभव वाले नेता हैं, संसद में विपक्ष की आवाज हैं और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके शब्दों का प्रभाव किसी स्थानीय सभा में दिए गए सामान्य भाषण से कहीं अधिक होता है। इसलिए उनके बयान को केवल क्षणिक आवेश बताकर नजरअंदाज करना आसान नहीं है। खड़गे की टिप्पणी के बाद भाजपा ने 26 अक्टूबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन किए। दिल्ली, पटना, जम्मू, बेंगलुरु, लखनऊ, जयपुर, रांची, कोलकाता, गांधीनगर और गुवाहाटी समेत कई शहरों में पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। कई स्थानों पर कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी हुई, पोस्टर जलाए गए और कांग्रेस नेतृत्व से माफी की मांग की गई। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका। भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री और उनके परिवार के प्रति अपमानजनक भाषा का मामला बताते हुए खड़गे से बिना शर्त माफी की मांग की। भाजपा का विरोध केवल एक बयान के प्रति नाराजगी तक सीमित नहीं रहा।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

करवा चौथ : दांपत्य जीवन की मधुर परंपरा

महेन्द्र तिवारी

भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाने और जीवन में प्रेम, उल्लास तथा आत्मीयता का संचार करने के माध्यम भी हैं। करवा चौथ ऐसा ही एक पर्व है, जिसका विवाहित महिलाओं के जीवन में विशेष महत्व है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला यह त्योहार पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना से जुड़ा है। इस वर्ष करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर, गुरुवार को रखा जाएगा।

करवा चौथ की तैयारियां कई दिन पहले से ही आरंभ हो जाती हैं। बाजारों में रंग-बिरंगी चूड़ियां, सुंदर वस्त्र, आभूषण, मेहंदी और पूजा की सामग्री सजने लगती है। महिलाएं अपने हाथों पर मेहंदी रचाती हैं और पारंपरिक वेशभूषा में सजती-संवर्ती हैं। घरों में उत्सव जैसा वातावरण दिखाई देता है। कहीं महिलाएं सामूहिक रूप से पूजा की तैयारी करती हैं, तो कहीं परिवार के सदस्य मिलकर इस दिन को विशेष बनाने का प्रयास करते हैं। इन तैयारियों में केवल सजने-संवर्ने का उत्साह नहीं, बल्कि अपनों के साथ खुशियां बांटने की भावना भी छिपी होती है।

परंपरा के अनुसार, करवा चौथ



के दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले सरंगी ग्रहण करती हैं और इसके बाद व्रत आरंभ करती हैं। अनेक महिलाएं पूरे दिन अन्न और जल ग्रहण नहीं करतीं। शाम को भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और करवा माता की पूजा की जाती है। महिलाएं एकत्र होकर करवा चौथ की कथा सुनती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। पूजा में करवे का विशेष महत्व है। करवा मिट्टी का वह पात्र है, जिसमें जल रखकर चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है।

इस पर्व का सबसे प्रतीक्षित क्षण चंद्रमा के उदय होने का होता है। दिनभर व्रत रखने के बाद महिलाएं चंद्रमा के दर्शन करती हैं, उन्हें अर्घ्य

अर्पित करती हैं और परंपरा के अनुसार छलनी से पहले चंद्रमा तथा फिर अपने पति का चेहरा देखती हैं। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण करके व्रत खोलने की परंपरा अनेक परिवारों में प्रचलित है। चांद के दर्शन के साथ ही दिनभर की प्रतीक्षा समाप्त होती है और परिवार में खुशियों का वातावरण छा जाता है।

करवा चौथ का धार्मिक महत्व अपनी जगह है, लेकिन इसका भावनात्मक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह पर्व पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, सहयोग और जिम्मेदारी की याद दिलाता है। हालांकि, किसी भी रिश्ते की मजबूती केवल व्रत या अनुष्ठान पर

निर्भर नहीं करती। एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, कठिन समय में साथ देना और जीवन की जिम्मेदारियों को साझा करना दांपत्य जीवन को वास्तविक अर्थों में सुखी बनाता है।

बदलते समय के साथ करवा चौथ का स्वरूप भी व्यापक हुआ है। आज अनेक पति अपनी पत्नी के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करने के लिए स्वयं भी व्रत रखते हैं। यह बदलाव बताता है कि रिश्तों में समर्पण एकतरफा नहीं, बल्कि परस्पर होना चाहिए। पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे के स्वास्थ्य, सुख और सम्मान की चिंता करें, तभी परिवार में समानता और आत्मीयता का वातावरण बनता है।

करवा चौथ की परंपरा हमें यह संदेश देती है कि जीवन की व्यस्तताओं के बीच अपने संबंधों के लिए समय निकालना आवश्यक है। उपहार, आभूषण और सजावट त्योहार की सुंदरता बढ़ाते हैं, लेकिन रिश्तों की असली चमक स्नेह, विश्वास और संवेदनशीलता से आती है। चांद का इंतजार समाप्त हो जाता है, रात ढल जाती है और त्योहार बीत जाता है, लेकिन प्रेम और अपनत्व की अनुभूति लंबे समय तक बनी रहती है। यही करवा चौथ की वास्तविक सुंदरता है।

काश! 'जियो और जीने दो' का भी आईपीओ आता!

जिस दुनिया में हर चीज का बाजार है, वहां काश! इंसानियत, प्रेम, सहिष्णुता और दूसरों को जीने देने की भावना का भी कोई आईपीओ आता। लोग उसमें निवेश करते और बदले में एक ऐसी दुनिया पाते, जहां हर व्यक्ति अपने हिस्से की खुशियां जी सकता और दूसरों की खुशियों का सम्मान कर सकता।

आज के दौर में आईपीओ यानी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम का नाम सुनते ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ जाती है। कौन-सी कंपनी बाजार में उतर रही है, उसमें निवेश करने से कितना लाभ मिलेगा और भविष्य में उसके शेयर कितनी ऊंचाई छू सकते हैं, इन बातों पर खूब चर्चा होती है। लोग अपनी पूंजी बढ़ाने के लिए नए अवसर तलाशते हैं। लेकिन कभी-कभी मन में एक सवाल उठता है कि काश! 'जियो और जीने दो' का भी कोई आईपीओ आता, जिसमें निवेश करने के लिए धन नहीं, बल्कि प्रेम, संवेदना, सहिष्णुता और उदारता की जरूरत होती। जहां लाभांश के रूप में पैसा नहीं, बल्कि सुकून मिलता और निवेशक को ऐसी दुनिया मिलती, जिसमें वह स्वयं भी सम्मानपूर्वक जी सके और दूसरों को भी अपनी पसंद के अनुसार जीवन जीने दे।

क्या हमें ऐसे आईपीओ की सबसे ज्यादा जरूरत नहीं है?

हमने विज्ञान और तकनीक के सहारे दुनिया की दूरियां कम कर दी हैं। मोबाइल ने पूरी दुनिया को हमारी मुट्ठी में ला दिया है। हम दूसरों की जिंदगी के बारे में पहले से कहीं अधिक जानने लगे हैं, लेकिन उनकी भावनाओं को समझने का धैर्य शायद कम होता जा रहा है। किसने क्या पहना, क्या खाया, किससे संबंध रखा, किस विचार को अपनाया और किस तरह जीवन जिया, इन सब पर हमारी नजर रहती है। कभी परंपरा के नाम पर, कभी सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर और कभी अपनी सोच को श्रेष्ठ मानकर हम दूसरों की

जिंदगी में दखल देने लगते हैं।

विडंबना देखिए कि अपनी जिंदगी में कोई हस्तक्षेप करे तो हमें अपनी स्वतंत्रता याद आने लगती है, लेकिन दूसरों की जिंदगी में हस्तक्षेप करने का अवसर मिले तो हम स्वयं को उनका हितैषी समझने लगते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे विचारों का सम्मान हो, लेकिन दूसरों के विचार हमसे अलग हों तो हमें परेशानी होने लगती है। हम अपने लिए आजादी चाहते हैं, मगर दूसरे अपनी पसंद से जीवन जीएं तो उनकी आलोचना करने लगते हैं। हर व्यक्ति अपने लिए खुला आकाश चाहता है, लेकिन दूसरे के आकाश में उड़ते पंछी को देखकर बेचैन हो उठता है। 'जियो और जीने दो' केवल एक नारा नहीं, सभ्य समाज की बुनियादी शर्त है। इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय देखकर चुप रहा जाए या गलत कार्यों का विरोध करना छोड़ दिया जाए। इसका सीधा अर्थ है कि जब तक किसी का व्यवहार दूसरों के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान को नुकसान नहीं पहुंचाता, तब तक उसे अपनी पसंद के अनुसार जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए।

हर व्यक्ति की परिस्थितियां और खुशियां अलग होती हैं। किसी की खुशी सादगी में है, तो किसी की उपलब्धियों में। कोई परंपराओं से जुड़कर आनंदित होता है, तो कोई नए रास्तों पर चलकर अपना भविष्य बनाना चाहता है। किसी को भीड़ पसंद है, तो किसी को एकांत में सुकून मिलता है। ऐसे में केवल अपनी पसंद को श्रेष्ठ मानकर दूसरों को गलत ठहराना कहां तक उचित है? स्वतंत्रता का अर्थ सिर्फ अपनी इच्छाएं पूरी करना नहीं, बल्कि दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करना भी है। मेरी आजादी वहीं तक सार्थक है, जहां मैं किसी दूसरे की आजादी को कुचलना शुरू नहीं करता। परिवारों में बच्चों की रुचियों को कभी-कभी यह कहकर दबा दिया जाता है कि लोग क्या कहेंगे।

युवाओं के सपनों को सामाजिक प्रतिष्ठा की कसौटी पर तौला जाता है। किसी की वेशभूषा, खानपान, भाषा या जीवनशैली को लेकर टिप्पणियां की जाती हैं। पड़ोसी के घर में क्या हो रहा है, कौन किससे मिलता है और कौन किस तरह रहता है, इस पर चर्चा करने वालों की कमी नहीं है। दूसरों की जिंदगी पर राय देने में हम जितनी तत्परता दिखाते हैं, उतनी ही तत्परता अपनी कमियों को सुधारने में दिखाएं तो समाज की तस्वीर काफी बदल सकती है।

किसी को सही सलाह देना और उसकी जिंदगी अपने हिसाब से चलाना दो अलग बातें हैं। चिंता करना संवेदनशीलता है, लेकिन चिंता के नाम पर किसी की स्वतंत्रता छीन लेना नियंत्रण की इच्छा है। हम दूसरों की जिंदगी सुधारने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपनी सोच सुधारने का अवसर ही नहीं निकाल पाते। कई बार हमारी सलाह के पीछे मदद की भावना कम और अपनी बात मनवाने की जिद अधिक होती है। हमें समझना होगा कि हर व्यक्ति को अपनी गलतियों से सीखने और अपने निर्णय लेने का अधिकार है।

काश! इस आईपीओ में निवेश का पहला नियम आत्ममंथन होता।

इसमें निवेश करने से पहले हमें अपने अहंकार का कुछ हिस्सा छोड़ना पड़ता, अपनी धारणाओं पर पुनर्विचार करना पड़ता और यह स्वीकार करना पड़ता कि केवल हमारा नजरिया ही सही नहीं हो सकता। इसके कुछ सरल नियम होते-दूसरों को सुनना सीखिए, पूरी बात जाने बिना किसी के बारे में निर्णय मत कीजिए, असहमति को अपमान का अधिकार मत बनाइए और जिस सम्मान की अपेक्षा आप अपने लिए करते हैं, वही सम्मान दूसरों को भी दीजिए। कल्पना कीजिए, यदि माता-पिता बच्चों की प्रतिभा समझकर उनके सपनों को प्रोत्साहित करें, परिवार के सदस्य एक-दूसरे की पसंद का

सम्मान करें, पड़ोसी अनावश्यक दखल देने के बजाय सुख-दुख में सहयोगी बनें और समाज किसी की अलग पहचान का उपहास उड़ाने के बजाय उसका सम्मान करे, तो हमारी दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है! इसके लिए किसी बड़े अभियान या कानून की प्रतीक्षा करने की जरूरत नहीं है। शुरुआत अपने घर, अपने व्यवहार और अपनी सोच से की जा सकती है।

इंसानियत में किया गया निवेश ऐसा है, जिसका लाभ केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। आप किसी का सम्मान करते हैं, तो उसके भीतर भी दूसरों का सम्मान करने की भावना मजबूत हो सकती है। आप किसी की परेशानी में उसका साथ देते हैं, तो समाज में भरोसे की एक नई कड़ी बनती है। आप किसी को उसकी पसंद से जीने देते हैं, तो उसके जीवन में स्वतंत्रता के साथ-साथ आपके प्रति सम्मान भी बढ़ता है। इस निवेश की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी का लाभ दूसरे का नुकसान नहीं बनता, बल्कि सभी के जीवन में खुशहाली बढ़ सकती है।

हम आर्थिक लाभ के लिए लंबी योजनाएं बनाते हैं, लेकिन सामाजिक सद्भाव के लिए छोटे-छोटे प्रयास भी कई बार नहीं करते। धन की कीमत समझते हैं, लेकिन रिश्तों में विश्वास की कीमत भूल जाते हैं। अपनी प्रतिष्ठा की चिंता करते हैं, लेकिन दूसरों के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने से पहले नहीं सोचते। हम चाहते हैं कि लोग हमारी बात समझें, हमारी परिस्थितियों को स्वीकार करें और हमारी गलतियों को माफ करें। फिर यही उदारता दूसरों के लिए दिखाने में हमें परेशानी क्यों होती है? आखिर जीवन सीमित है। फिर क्यों न इसे एक-दूसरे की जिंदगी कठिन बनाने के बजाय आसान बनाने में लगाया जाए? क्यों न दूसरों की कमियां गिनाने के बजाय उनकी परिस्थितियों को समझा जाए?

दीपावली से पहले मिठाई में मिलावट और तौल में गड़बड़ी रोकने की मांग, जिला प्रशासन को वैधानिक नोटिस

शिवपुरी, जीएनएस।

दीपावली पर्व से पहले मिठाइयों में कथित मिलावट, मावा-पनीर की गुणवत्ता, ड्राई फ्रूट की पैकिंग और मिठाई के डिब्बों सहित तौल किए जाने के मामलों को लेकर जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय तिवारी ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने 27 अक्टूबर 2026 को धारा 80 सीपीसी के तहत कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा श्रम कार्यालय के निरीक्षक को वैधानिक

सूचना पत्र भेजकर जनहित से जुड़े मामलों में शीघ्र ठोस कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता विजय तिवारी ने नोटिस में आरोप लगाया है कि त्योहार के दौरान कुछ मिठाई विक्रेताओं द्वारा महंगी मिठाइयों की पैकिंग में डिब्बों का वजन शामिल कर उपभोक्ताओं से निर्धारित मात्रा से कम मिठाई दिए जाने की शिकायतें सामने आती हैं। उन्होंने काजू कतली और अन्य महंगी मिठाइयों के पैकेटों का उदाहरण देते हुए शुद्ध वजन की निष्पक्ष जांच करने की आवश्यकता जताई है। उनका कहना है कि उपभोक्ताओं को मिठाई की वास्तविक मात्रा के

अनुसार ही भुगतान करना चाहिए।

नोटिस में ड्राई फ्रूट की स्वयं की गई पैकिंग पर भी सवाल उठाए गए हैं। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि कुछ प्रतिष्ठानों में पैकेटों पर वजन, उपयोग की अंतिम तिथि और अन्य आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से अंकित नहीं किए जाते। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पैकिंग, लेबलिंग, लाइसेंस और उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े नियमों के पालन की जांच कराने की मांग की है। विजय तिवारी ने दीपावली के दौरान बड़े पैमाने पर मिठाइयों के निर्माण के लिए इस्तेमाल होने वाले मावा, पनीर, दूध और खाद्य तेल की गुणवत्ता को लेकर भी चिंता

जताई है। नोटिस में आशंका व्यक्त की गई है कि बाहर से आने वाले कथित मिलावटी खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल मिठाई निर्माण में किया जा सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से विशेष जांच दल गठित कर संदिग्ध खाद्य पदार्थों की जांच, नमूने लेने और नियमों के उल्लंघन पर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

नोटिस में मोडिफाइड वाहनों और ठेलों के माध्यम से मोमोज, पिज्जा, पास्ता एवं बर्गर जैसे खाद्य पदार्थ बेचने वाले विक्रेताओं द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे खाद्य तेल और अन्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच का मुद्दा भी उठाया गया है।

अधिवक्ता ने बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए नियमित निरीक्षण की आवश्यकता बताई है।

अधिवक्ता विजय तिवारी के अनुसार, उन्होंने 5 जनवरी 2026 को भी मोडिफाइड वाहनों के माध्यम से खाद्य पदार्थों की बिक्री के संबंध में संबंधित अधिकारियों को सूचना पत्र भेजा था। उनका कहना है कि उस मामले में की गई कार्रवाई से उन्हें अवगत नहीं कराया गया।

वैधानिक सूचना पत्र के माध्यम से विजय तिवारी ने संबंधित अधिकारियों से जनहित के मुद्दों पर शीघ्र ठोस कार्रवाई

करने तथा की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो वे न्यायालय की शरण लेने के लिए बाध्य होंगे।

दीपावली जैसे बड़े पर्व से पहले उठाए गए इन मुद्दों के बीच खाद्य सुरक्षा, सही तौल और पारदर्शी व्यापार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों की सक्रियता महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, नोटिस में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र जांच और संबंधित विभागों की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही उनकी पुष्टि हो सकेगी।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान मोहना विद्यालय में दिलाई गई शपथ

मोहना, जीएनएस।

सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट और सफल युवा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (शा. उ. मा. वि.) मोहना में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह रोकने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय और छात्र-छात्राओं के बीच अभियान से संबंधित पंपलेट

का वितरण भी किया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा हमारे आसपास जो भी बच्चे शिक्षा से वंचित रह गए हैं उन्हें स्कूलों से जोड़ने का काम हमें प्राथमिकता से करना चाहिए। समाज में अशिक्षा के कारण ही कई तरह की कुरीतियां और अप्रिय घटनाएं जन्म लेती हैं। इसलिए हमें बच्चों को हमेशा शिक्षा से जोड़ना है और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए एकजुट होकर प्रयास करना है। उन्होंने आगे बताया कि बच्चों के हित और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन

नंबर 1098 पर कॉल किया जा सकता है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एम. एस. गौतम सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री गेंदालाल आर्य, श्रीमती राजकुमारी वर्मा, सुश्री सपना यादव, श्रीमती सुनीता इमले, श्रीमती निर्मला मिश्रा, श्रीमती हेमा जाटव, श्रीमती मीना गुप्ता, श्री अभिजीत श्रीवास्तव, श्री विकास पाण्डे, श्री रघुराजकिशोर शर्मा, कप्तान वर्मा, श्री अजय वाथम, श्री गजेंद्र दुबे, श्री सचिन तिवारी, गिरदावल, वरजोर आदिवासी, सुनील और सतेंद्र सिंह तोमर आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अयोध्या-काशी यात्रा- शिवपुरी स्टेशन के लिए अपरान्ह 3 बजे रवाना होगी बसे

श्रयोपुर, जीएनएस।

धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रयोपुर जिले के 262 तीर्थ यात्री 31 अक्टूबर से 05 नवंबर तक अयोध्या-काशी (वाराणसी) की तीर्थ यात्रा पर रहेंगे। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में यात्रियों को शिवपुरी स्टेशन तक पहुंचाने के लिए 6 बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यह बसे 31 अक्टूबर को अपरान्ह 03 बजे श्रयोपुर-बड़ौदा के यात्रियों के लिए श्री रामतलाई हनुमान मंदिर श्रयोपुर पर उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही विजयपुर-वीरपुर के यात्रियों के लिए बस तहसील कार्यालय विजयपुर में तथा कराहल के यात्रियों

के लिए तहसील कार्यालय कराहल पर अपरान्ह 03 बजे से बस की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। श्री रामतलाई हनुमान मंदिर श्रयोपुर से श्रयोपुर के 125 यात्री तथा बड़ौदा के 58 यात्री रवाना होंगे, इसके लिए 4 बसों की व्यवस्था की गई है। कराहल से 39 यात्रियों के लिए एक बस की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसी प्रकार तहसील कार्यालय विजयपुर से विजयपुर के 31 तथा वीरपुर के 09 यात्री बस द्वारा शिवपुरी के लिए रवाना होंगे। यात्रियों को तीर्थ यात्रा से वापस लौटने पर शिवपुरी स्टेशन से वापस लाने के लिए भी बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

अयोध्या-काशी यात्रा के

लिए अनुरक्षक नियुक्त

श्रयोपुर जिले के तीर्थ यात्रियों के साथ 5 अधिकारियों, कर्मचारियों को अनुरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। नायब तहसीलदार श्री वीरेन्द्र सिंह बघेल मोबाइल नंबर 9977624321 को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही श्री विनोद भूषण पटवारी मोबाइल नंबर 8120260111, श्री भोलाराम गुप्ता पटवारी मोबाइल नंबर 7999850190, श्री कमल साय पैकरा पटवारी मोबाइल नंबर 9201751711 एवं श्री सत्यनारायण सेन कैम्प अटेंडर मोबाइल नंबर 9753677043 को सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है।

सीईसी सदस्य श्री सुनील लिमाये ने दिए निर्देश—चंबल नदी में अवैध रेत उत्खनन रोकने तीनों राज्यों के अधिकारी मिलकर करें प्रभावी कार्रवाई

16 वन चौकियां स्थापित होंगी, सप्ताह में दो बार संयुक्त जांच और हर तीन माह में अंतरराज्यीय बैठक; कैमरों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित टावर से होगी निगरानी

मुरैना, जीएनएस।

चंबल नदी में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के संबंधित जिलों के अधिकारी आपसी समन्वय से संयुक्त रूप से कार्रवाई करेंगे। इस संबंध में सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) के सदस्य श्री सुनील लिमाये ने मंगलवार को देवरी में आयोजित अंतरराज्यीय समन्वय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि तीनों राज्यों के पुलिस, वन, खनिज, परिवहन एवं राजस्व विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करें। उन्होंने निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 16 वन चौकियां स्थापित करने, चंबल नदी क्षेत्र में कैमरों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित टावर से निगरानी करने तथा नियमित संयुक्त जांच करने पर जोर दिया। साथ ही, अवैध उत्खनन से संबंधित सूचनाओं एवं आंकड़ों का परस्पर आदान-प्रदान करने और प्रत्येक तीन माह में अंतरराज्यीय

बैठक आयोजित कर कार्रवाई की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

श्री लिमाये ने कहा कि चंबल नदी के प्राकृतिक स्वरूप एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अवैध रेत उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए तीनों राज्यों के संबंधित विभाग नियमित संयुक्त जांच करें तथा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से संबंधित सूचनाओं और आंकड़ों का परस्पर आदान-प्रदान करें। प्रत्येक तीन माह में आयोजित होने वाली अंतरराज्यीय बैठक में की गई कार्रवाई, निगरानी व्यवस्था और अवैध गतिविधियों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में ग्वालियर के मुख्य वन संरक्षक श्री लोवित भारती, कलेक्टर मुरैना श्री लोकेश कुमार जांगिड़, कलेक्टर भिण्ड श्री पवन जैन, श्रयोपुर कलेक्टर के प्रतिनिधि, कलेक्टर धौलपुर श्री बी.टी. श्रीनिधि, भरतपुर के मुख्य वन संरक्षक श्री पी. कथिरवेल, पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री धर्मराज मीणा, पुलिस अधीक्षक भिण्ड श्री सूरज वर्मा, पुलिस अधीक्षक धौलपुर श्री विकास सांगवान, वन मंडलाधिकारी मुरैना श्री हरिश्चन्द्र बघेल तथा आगरा ईस्ट के पुलिस उपायुक्त श्री अभिषेक अग्रवाल सहित

मुरैना, भिण्ड, श्रयोपुर, धौलपुर एवं आगरा के खनिज विभाग के अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा पुलिस, वन एवं राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

16 वन चौकियां स्थापित कर अवैध गतिविधियों पर रखी जाएगी नजर श्री लिमाये ने निर्देश दिए कि चंबल नदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर निगरानी के लिए मुरैना वन मंडल द्वारा 16 वन चौकियां स्थापित की जाएं। मैदानी अमले को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर कार्रवाई प्रभावी बनाई जाए। वन विभाग को अतिरिक्त अमला उपलब्ध कराने के साथ आवश्यक हथियार भी दिए गए हैं, जिससे संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जा सके।

कैमरों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित टावर से होगी निगरानी

चंबल नदी क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कैमरे लगाए जाएंगे तथा कंट्रोल रूम के माध्यम से गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा चंबल नदी के पुल पर आगामी 15 दिनों में पीटीजेड कैमरे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित टावर के माध्यम से भी निगरानी की व्यवस्था

विकसित की जाएगी। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त वाहनों को नियमानुसार राजसात करने के निर्देश दिए गए।

सप्ताह में दो बार संयुक्त जांच, अनुविभागीय अधिकारी माह में दो बार करेंगे निरीक्षण

अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तहसीलदार, वन परिक्षेत्र अधिकारी, थाना प्रभारी एवं खनिज निरीक्षक अनुभागवार सप्ताह में दो बार संयुक्त भ्रमण कर जांच करेंगे। जांच के दौरान अवैध उत्खनन, रेत परिवहन एवं संदिग्ध वाहनों की गतिविधियों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अनुविभाग स्तर के अधिकारी प्रत्येक माह दो बार निरीक्षण कर कार्रवाई की समीक्षा करेंगे, ताकि निगरानी व्यवस्था नियमित बनी रहे और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो।

तीनों राज्यों के विभाग आपसी समन्वय से करेंगे कार्रवाई

बैठक में निर्देश दिए गए कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के संबंधित जिलों के पुलिस, वन, खनिज, परिवहन एवं राजस्व विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। विभागों के बीच

सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान कर अवैध उत्खनन एवं परिवहन से जुड़ी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। चंबल नदी के आसपास स्थित शासकीय भूमि को वन विभाग के अंतर्गत राजस्व चंबल अभयारण्य के लिए अंतरित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है। श्रयोपुर, मुरैना, भिण्ड, धौलपुर एवं आगरा जिलों में इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

एम-सैंड के उपयोग को मिलेगा बढ़ावा, प्राकृतिक रेत पर निर्भरता होगी कम

बैठक में अवगत कराया गया कि प्राकृतिक रेत के विकल्प के रूप में एम-सैंड के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है। जिले में सिंध नदी की रेत के भंडारण के लिए 18 लाइसेंस जारी किए गए हैं तथा 39 एम-सैंड खदानें स्वीकृत की गई हैं। एम-सैंड के लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा शासकीय निर्माण विभागों को निर्माण कार्यों में इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में 10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निर्माण कार्यों में एम-सैंड का उपयोग किया जा रहा है। इससे प्राकृतिक रेत पर निर्भरता कम करने तथा चंबल नदी के पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहायता मिलेगी।

त्योहारों के बीच सियासी टकराव व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे?

सौरभ वाष्णीय

देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रौनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पटरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगे, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए?

एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की जवाबदेही का सवाल उठा रहा है, तो दूसरी तरफ व्यापारी वर्ग चाहता है कि त्योहारों के समय उसका कारोबार बाधित न हो। इस परिस्थिति में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या

राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए?

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई

पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक है कि सरकार ने खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े।

इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम परेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। चुनाव आयोग के शीर्ष

पदाधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए और उनकी मांग पूरी होने पर आंदोलन समाप्त हो सकता है, राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण विषय है। यदि विपक्ष का दावा है कि चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं, तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग को भी अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का इस्तीफा मांगना और उसे तत्काल स्वीकार कराना दो अलग अलग बातें हैं। चुनाव आयोग के प्रमुख का पद किसी राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं हो सकता। उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और पद से हटाने की प्रक्रिया कानून तथा संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह कहना कि केवल इस्तीफा होते ही तीस सेकंड में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक वक्तव्य तो हो सकता है, लेकिन इसे समस्या के समाधान की गारंटी नहीं माना जा सकता।

यदि वास्तविक उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है, तो समाधान पारदर्शी जांच, तथ्यों के सार्वजनिक स्पष्टीकरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं के पालन में तलाशना होगा। केवल इस्तीफे की मांग पर

अड़े रहना या बिना जवाब दिए मांग को खारिज कर देना, दोनों ही स्थितियां राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा सकती हैं। व्यापारी किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। बाजारों में काम करने वाले लाखों लोगों के सामने किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद और बैंक की किस्तों जैसी जिम्मेदारियां होती हैं। त्योहारों के समय बिक्री प्रभावित होने का नुकसान केवल दुकान के मालिक को नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे परिवार और कर्मचारियों को भी उठाना पड़ता है। इसलिए व्यापारिक संगठनों की मांगों को गंभीरता से सुनना सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है। यदि रैली या आंदोलन के लिए स्थान, समय और मार्ग में बदलाव करके व्यापारिक गतिविधियों को सुरक्षित रखा जा सकता है, तो ऐसा करने में किसी पक्ष को राजनीतिक हार नहीं माननी चाहिए। सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं का संतुलन बनाए रखना चाहिए। विपक्ष को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार इस्तेमाल करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी रणनीति से आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन को भी निष्पक्ष भूमिका निभाते हुए यातायात, सुरक्षा और बाजारों के संचालन के लिए स्पष्ट व्यवस्था करनी चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यापारियों को अपने पक्ष में खड़ा करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करें। व्यापारिक संगठनों को भी अपनी मांगों स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए और राजनीतिक विवादों में किसी एक पक्ष का औजार बनने से बचना चाहिए। एक नवंबर की रैली और आंदोलन को लेकर यदि कोई विवाद है, तो संबंधित पक्षों के बीच तत्काल बातचीत होनी चाहिए। रैली के समय और स्थान का ऐसा निर्धारण किया जा सकता है, जिससे विरोध का लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहे और त्योहारों का कारोबार भी प्रभावित न हो। इसके साथ ही चुनाव आयोग से जुड़े सवालों पर तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक संवाद होना चाहिए।

लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी विपक्ष का जिम्मेदार आचरण भी है। विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन जनता के हितों की रक्षा करना उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी भी है। इसी प्रकार सरकार को भी आलोचना को दबाने के बजाय उसका उत्तर देना चाहिए। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि राजनीतिक संघर्ष के बीच भी जनता के हित सर्वोपरि रहें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

करवा चौथ : पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते, प्रेम और विश्वास का पर्व

भारत त्योहारों और परंपराओं का देश है। यहां प्रत्येक पर्व का अपना धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व है। कुछ त्योहार ऋतुओं के बदलाव से जुड़े हैं, तो कुछ पारिवारिक रिश्तों की मिठास और आपसी प्रेम को मजबूत बनाने का संदेश देते हैं। करवा चौथ ऐसा ही एक पर्व है, जो पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते, प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला यह त्योहार विशेष रूप से उत्तर भारत में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सहित देश के अनेक क्षेत्रों में इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ निर्जला व्रत रखती हैं।

करवा चौथ की परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह पति-पत्नी के बीच भावनात्मक जुड़ाव और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। बदलते समय में इस पर्व का स्वरूप भले ही कुछ बदला हो, लेकिन इसके मूल में निहित प्रेम, विश्वास और पारिवारिक एकता का महत्व आज भी बना हुआ है। करवा चौथ के दिन व्रत

रखने वाली महिलाएं प्रातःकाल सरगी ग्रहण करने के बाद व्रत का संकल्प लेती हैं। सरगी में फल, मिठाई, मेवे और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं। परंपरागत रूप से सास अपनी बहू को सरगी देती है। इसके बाद महिलाएं दिनभर अन्न और जल का त्याग कर व्रत रखती हैं। शाम को सोलह श्रृंगार कर पूजा की तैयारी की जाती है। महिलाएं एक स्थान पर एकत्र होकर करवा चौथ की कथा सुनती हैं और भगवान गणेश, माता पार्वती तथा भगवान शिव की पूजा-अर्चना करती हैं।

रात में चंद्रमा के उदय होने की प्रतीक्षा की जाती है। चंद्रमा दिखाई देने पर महिलाएं छलनी से उसके दर्शन करती हैं और फिर उसी छलनी से अपने पति का चेहरा देखती हैं। इसके बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोलती हैं। यह दृश्य इस पर्व की सबसे प्रमुख और भावनात्मक परंपराओं में शामिल है। पूजा के दौरान परिवार की सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन में खुशहाली की कामना की जाती है।

करवा चौथ से जुड़ी कई पौराणिक और लोककथाएं प्रचलित हैं। इनमें वीरवती की कथा विशेष रूप से सुनाई जाती है। कथा के अनुसार, वीरवती



अपने भाइयों की लाइली बहन थी। विवाह के बाद उसने पहली बार करवा चौथ का व्रत रखा। दिनभर भूखी-प्यासी रहने के कारण वह कमजोर हो गई। बहन की स्थिति देखकर उसके भाइयों ने छलपूर्वक पेड़ के पीछे प्रकाश दिखाकर चंद्रमा निकलने का भ्रम पैदा कर दिया। वीरवती ने उसे चंद्रमा समझकर व्रत खोल लिया। इसके बाद उसे अपने पति के संबंध में अनिष्ट का समाचार मिला। कथा में आगे बताया जाता है कि वीरवती ने अपनी श्रद्धा और तप के बल पर कठिन परिस्थितियों का सामना किया और अंततः उसका वैवाहिक जीवन फिर सुखमय हुआ।

इस कथा को व्रत के नियम, धैर्य और श्रद्धा के महत्व से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि करवा चौथ की परंपराओं और कथाओं के अलग-अलग क्षेत्रीय

रूप भी प्रचलित हैं। इनका उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ पति-पत्नी के संबंधों में निष्ठा और समर्पण की भावना को रेखांकित करना है। करवा चौथ में मिट्टी के करवे का विशेष महत्व है। करवा सामान्यतः मिट्टी का छोटा पात्र होता है, जिसका उपयोग पूजा और अर्घ्य देने के लिए किया जाता है। मिट्टी को भारतीय परंपरा में प्रकृति, सृजन और जीवन का प्रतीक माना गया है। करवे के माध्यम से जल अर्पित करने की परंपरा जीवन की निरंतरता और मंगलकामना से जुड़ी है। इस दिन महिलाएं पूजा की थाली में दीपक, रोली, अक्षत, मिठाई, फल और अन्य पूजन सामग्री रखती हैं।

करवा चौथ की पूजा में माता पार्वती को विशेष स्थान दिया जाता है। उन्हें अखंड सौभाग्य और दांपत्य सुख की प्रतीक देवी के रूप में पूजा जाता है। भगवान

शिव और गणेश की आराधना भी की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा के साथ पूजा करने और व्रत रखने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। हालांकि इन मान्यताओं का आधार आस्था और परंपरा है, लेकिन सामाजिक स्तर पर यह पर्व परिवार के सदस्यों को एक साथ आने और रिश्तों को महत्व देने का अवसर प्रदान करता है।

करवा चौथ का नाम आते ही लाल चुनरी, साड़ी, चूड़ियां, मेहंदी और सोलह श्रृंगार की छवि सामने आ जाती है। इस दिन महिलाएं अपनी पसंद के पारंपरिक परिधान पहनती हैं। लाल, गुलाबी और अन्य शुभ माने जाने वाले रंगों के वस्त्र विशेष रूप से पसंद किए जाते हैं। हाथों में मेहंदी लगाने, चूड़ियां पहनने, मांग में सिंदूर भरने और पूजा के लिए सजने-संवरने की परंपरा इस पर्व को खास बनाती है। बाजारों में भी करवा चौथ के अवसर पर रौनक बढ़ जाती है। कपड़ों, आभूषणों, सौंदर्य प्रसाधनों, मेहंदी और पूजा सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई देती है। महिलाएं अपनी पसंद के अनुसार पूजा की थालियां और करवे सजाती हैं। कई स्थानों पर सामूहिक पूजा के आयोजन किए जाते हैं, जहां महिलाएं एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं और

पर्व से जुड़ी परंपराओं को साझा करती हैं।

हालांकि अब इस पर्व में आधुनिकता का प्रभाव भी दिखाई देता है। पारंपरिक परिधानों के साथ नए फैशन, सजावटी पूजा थालियों और डिजिटल माध्यमों से शुभकामनाएं देने का चलन बढ़ा है। इसके बावजूद पूजा, कथा और चंद्र दर्शन जैसी प्रमुख परंपराएं आज भी इस त्योहार की पहचान बनी हुई हैं।

पहले करवा चौथ को मुख्य रूप से महिलाओं के व्रत के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब कई परिवारों में पति भी पत्नी के साथ व्रत रखते हैं। कुछ दंपती इसे एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करने के अवसर के रूप में मनाते हैं। कई जगह पति अपनी पत्नी के लिए उपहार लाते हैं, तो कहीं दोनों साथ में पूजा करते हैं और चंद्र दर्शन के बाद भोजन ग्रहण करते हैं। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि दांपत्य संबंधों में साझेदारी और समानता की भावना को अधिक महत्व दिया जा रहा है। पति-पत्नी का रिश्ता केवल एक व्यक्ति के त्याग पर नहीं, बल्कि दोनों के सहयोग, संवाद और जिम्मेदारी पर आधारित होता है। इस दृष्टि से करवा चौथ का पर्व रिश्तों में परस्पर सम्मान और भावनात्मक निकटता बढ़ाने का अवसर बन सकता है।

शिवपुरी में मिताक्षी व्लांग्स के फैशन एक्सपो का भव्य शुभारंभ

शिवपुरी जीएनएस। त्योहारों के सीजन में शहरवासियों को फैशन और खरीदारी के नए विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित शिवपुरी फैशन एक्सपो शुरू करवा चौथ एवं दीपावली एडिशन 2026 का शुभारंभ मंगलवार, 27 अक्टूबर को होटल कमला हेरिटेज में भव्य रूप से हुआ। एमजे इवेंट्स एवं मिताक्षी व्लांग्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस एक्सपो में फैशन और खरीदारी के

शौकीनों के लिए आकर्षक उत्पाद एवं उत्सवी खरीदारी के विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। एक्सपो के शुभारंभ अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष एवं एसपीएस स्कूल के संचालक अशोक ठाकुर, बजरंग दल के नगर संयोजक एवं बजरंग ज्वेलर्स के संचालक प्रकाश सोनी, भाजपा मीडिया प्रभारी मुकेश जैन, सिद्धि विनायक हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजेंद्र शर्मा, समाजसेवी विनायक जैन, दुर्गेश गुप्ता, हर्षित जैन, प्रमोद जैन सहित फैशन



एक्सपो की आयोजक सुश्री मिताक्षी जैन उपस्थित रहीं। आयोजन में विभिन्न प्रायोजकों एवं

सहयोगी संस्थानों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। सोरॉरिटी हाइट्स और सक्षम जैन टाइटल स्पॉन्सर हैं।

वहीं, प्रिंस कलेक्शन, कपिल एवं विनायक जैन (पत्ते वाले), रवींद्र शिवहरे (पूर्व अध्यक्ष, कोलारस), राजमहल पैलेस एंड रिसॉर्ट, एसएसवी नर्सिंग कॉलेज, श्री एडवर्टाइजर्स, जेबीजे ज्वेलर्स (प्रकाश सोनी, सुनार गली), घनश्याम गुप्ता (गुप्ता प्रॉपर्टीज) एवं पट्टे वाले एसोसिएट पार्टनर के रूप में जुड़े हैं। विजयवर्गीय फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स गिफ्टिंग पार्टनर तथा सार्थक परिवार कैश प्राइज पार्टनर हैं। इसके अलावा सीताराम

रमजा कचोड़ी, एवं संस्कार बेकरी कैफे फूड और हॉस्पिटैलिटी पार्टनर के रूप में सहयोग कर रहे हैं। करवा चौथ एवं दीपावली के त्योहारों को ध्यान में रखकर आयोजित इस एक्सपो में फैशन, खरीदारी और उत्सवी जरूरतों से जुड़े विभिन्न विकल्प आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। आयोजन का उद्देश्य शहरवासियों को एक ही स्थान पर खरीदारी, फैशन और मनोरंजन का अनुभव उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं,

चार जरूरतमंदों को रेडक्रॉस से 32 हजार की आर्थिक सहायता

शिवपुरी जीएनएस जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने आज सैकड़ों आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ सुना। कई मामलों में उन्होंने मौके पर ही त्वरित निराकरण किया, वहीं शेष आवेदनों के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए चार जरूरतमंदों को रेडक्रॉस मद से कुल 32 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि



स्वीकृत कर चेक प्रदान किए। इसमें ग्राम देवरुद बछौरा (पोहरी) निवासी महिला लक्ष्मी सेन को 10 हजार रुपए, ग्राम रेहरगांव बंधोरा (कैरा) के दिव्यांग युवक सुमित कुमार वंशकार को इलाज हेतु 10 हजार रुपए तथा कमलागंज

शिवपुरी निवासी गंभीर बीमारी से ग्रस्त जितेंद्र धानुक को इलाज में मदद के लिए 10 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, ग्राम ख्यावदा (नरवर) निवासी गजराज सिंह को 2 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

कर चेक सौंपा गया।

इसके अलावा सहकारी बैंक में जमा राशि की मांग लेकर भी कई आवेदक आए तब कलेक्टर श्री वर्मा ने सहकारी बैंक के महाप्रबंधक को हितग्राहियों को राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बकायेदारों से सख्ती से राशि की वसूली की जाए और हितग्राहियों की राशि दी जाए।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने अधिकारियों को ताकीद करते हुए कहा कि जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान करना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए।

मप्र पिकल बॉल लीग-3 में शिवपुरी के अजय सांखला और दीपक गर्ग बने उपविजेता



शिवपुरी जीएनएस

मध्य प्रदेश पिकल बॉल लीग-3 में शिवपुरी के खिलाड़ियों अजय सांखला और दीपक गर्ग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। ग्वालियर के जीवाजी क्लब में आयोजित प्रतियोगिता के 50+ आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले में शिवपुरी की जोड़ी का सामना ग्वालियर के अजय गुप्ता और मनोज की जोड़ी से हुआ। रोमांचक मुकाबले में ग्वालियर की जोड़ी ने जीत दर्ज कर विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि अजय सांखला और दीपक गर्ग को

उपविजेता से संतोष करना पड़ा। मध्य प्रदेश में पिकल बॉल खेल को बढ़ावा देने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन प्रदेश के चार शहरों में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का तीसरा चरण ग्वालियर में आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को आगामी 18 लाख रुपये की इनामी राशि वाली लीग के लिए चयनित किया गया है।

ओल्ड इज़ गोल्ड-एक सुहानी शाम, पुरानी यादों के नाम तरानों के साथ मनाई शरद पूर्णिमा

शिवपुरी जीएनएस कुछ यादें कभी पुरानी नहीं होतीं, कुछ धुनें कभी दिल से उतरती नहीं और कुछ पल ऐसे होते हैं, जिन्हें दोबारा जीने का मन हमेशा करता है। इन्हीं खूबसूरत यादों को फिर से जीवंत करने, संगीत की मधुर धुनों में खो जाने और बीते हुए सुनहरे पलों को यादगार बनाने के लिए शिवपुरी के

संगीत प्रेमियों ने मिलकर शरद पूर्णिमा की पावन संध्या पर एक खुशनुमा संध्या ओल्ड इज़ गोल्ड इवनिंग का आयोजन फिजिकल स्थित होटल आर एमजी (ऋषि मैरिज गार्डन) में बड़े ही आनंद उत्सव के साथ किया इस अवसर पर संगीत प्रेमियों ने सोलो एवं डुएट सोंग गाकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया।

इस्कॉन के संस्थापक-आचार्य श्रीला प्रमुपाद की प्रेरणा से इस्कॉन शिवपुरी में भव्य दीपदान महामहोत्सव का शुभारंभ

शिवपुरी जीएनएस अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के संस्थापक-आचार्य विष्णुपाद अष्टोत्तरशत श्री श्रीमद् अभय चरणारविन्द भक्तिवेदांत स्वामी श्रीला प्रभुपाद की दिव्य प्रेरणा से, इस्कॉन शिवपुरी (श्री श्री जगन्नाथ मंदिर) के तत्वावधान में गत दिवस (शरद पूर्णिमा) से

आगामी रास पूर्णिमा तक एक माह के लिए अत्यंत पवित्र कार्तिक (दामोदर) मास एवं भव्य दीपदान महामहोत्सव का शुभारंभ हो चुका है। इस्कॉन शिवपुरी के सेंटर मैनेजर श्रीमान रसराज राधा कृष्ण दास ने जानकारी देते हुए बताया कि सनातन शास्त्रों के अनुसार कार्तिक मास भगवान श्री कृष्ण और विशेषकर

दामोदर स्वरूप की अहैतुत कृपा प्राप्ति का सर्वोत्तम मास है। इस पावन महीने में संध्या काल में भगवान श्री राधा-दामोदर जी को दीप अर्पित करने और नित्य दामोदर अष्टकम पाठ का अनंत आध्यात्मिक महत्व है। यह आयोजन अवधि शरद पूर्णिमा से आगामी रास पूर्णिमा तक (पूरा एक माह) तक रहेगा जिसमें

प्रतिदिन संध्या 7:30 बजे से 8:30 बजे तक, मुख्य आकर्षण श्री राधा-दामोदर जी की भव्य संध्या आरती, दीपदान, नित्य दामोदर अष्टकम पाठ एवं हरिनाम संकीर्तन जो कि इस्कॉन मंदिर (श्री श्री जगन्नाथ मंदिर), पी.एस. होटल के पास, शिवपुरी बाईपास, प्रेम भवन (प्रथम तल), शिवपुरी पर होगा।

सुनहरा मौका : कोलारस में सुरक्षा जवान भर्ती कैप आयोजित

शिवपुरी जीएनएस भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत जिला शिवपुरी रोजगार कार्यालय के सहयोग से सिविलियन स्कील काउंसिलिंग इंडिया लिमिटेड जयपुर के माध्यम से ग्रामीण व शहरी शिक्षित युवाओं को सुरक्षा जवान के पद पर चयनित करने हेतु आज 27 अक्टूबर को जनपद पंचायत कोलारस में भर्ती कैप का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीण अंचल से कुल 19 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें शारीरिक मापदंड के अनुसार भर्ती अधिकारी सुरेंद्र कुमार द्वारा 7

योग्य युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया।

जिला रोजगार अधिकारी श्री बी.एस. मीना ने बताया कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के अन्य विकासखंडों एवं नगरीय क्षेत्रों में भी आगामी कैपों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 28 अक्टूबर को जनपद पंचायत बदरवास, 30 अक्टूबर को जनपद पंचायत पोहरी, 02 नवम्बर को नरवर, 03 नवम्बर को जनपद पंचायत खनियाधाना, 04 नवम्बर को जनपद पंचायत पिछोर, 05 नवम्बर को आजीविका भवन करेरा एवं 06 नवम्बर को जिला



रोजगार कार्यालय, शिवपुरी शामिल है। यह सभी कैप निर्धारित तिथियों में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

चयनित युवाओं को जयपुर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में 1 माह का

विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके उपरान्त उन्हें देश के विभिन्न प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों तथा संस्थानों जैसे दिल्ली का लाल किला, इंदौर, उज्जैन, गुना, ग्वालियर, झांसी, आगरा मालवा,

राजगढ़, खजुराहो का मंदिर, सांची स्तूप, भोपाल एम्स, एसबीआई बैंक और आईडीबीआई बैंक आदि में 65 वर्ष की आयु तक के लिए स्थाई नौकरी प्रदान की जाएगी। इन पदों पर चयनित युवाओं को ₹15,000 से ₹25,000 तक मासिक वेतन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएफ, पेंशन, ग्रेज्युटी, मेडिकल, वेतन वृद्धि, प्रमोशन, इश्योरेंस जैसी सुविधाएं मिलेंगी तथा युवाओं के दो बच्चों की पढ़ाई अंतरराष्ट्रीय स्तर के आईपीएस स्कूल, देहरादून में करवाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए आवेदक की योग्यता

10वीं पास, आयु 19 से 40 वर्ष तथा ऊंचाई कम से कम 168 सेंटीमीटर होनी आवश्यक है। इच्छुक एवं पात्र युवाओं को अपने साथ 10वीं की अंकसूची की फोटोकॉपी, आधार कार्ड और दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लेकर निर्धारित स्थान पर उपस्थित होना होगा। चयनित उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन शुल्क ₹350 वयुआर कोड के माध्यम से जमा करना होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ssciindia.com पर विजिट किया जा सकता है या मोबाइल नंबर 9079850906 पर संपर्क किया जा सकता है।

नवागत बांड डॉक्टरों को उनके दायित्वों का विधिवत ओरिएंटेशन देने के निर्देश

ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाभाव और समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करें बांड डॉक्टरों

भोपाल, जीएनएस।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सागर जिले में पदस्थ बांड डॉक्टरों से संवाद किया। उन्होंने चिकित्सकों को ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे मनोयोग, सेवाभाव और समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने का अनुभव चिकित्सकों को न केवल बेहतर डॉक्टर बनाएगा, बल्कि भविष्य में उनके व्यावसायिक जीवन में भी यह अनुभव अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सागर जिले में 61 बांड डॉक्टरों की पदस्थापना की गई है। उनके पदस्थ होने से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। चिकित्सकों के आने से क्षेत्र के नागरिकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों में आशा एवं उत्साह का वातावरण है। चिकित्सक अपने कार्य, व्यवहार और सेवाभाव से इस विश्वास को बनाए रखें तथा नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

नवागत बांड डॉक्टरों को दिया



जाए ओरिएंटेशन

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी नवागत बांड डॉक्टरों को उनके दायित्वों, कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी संचालन के संबंध में व्यवस्थित ओरिएंटेशन दिया जाए। उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, जाँच सेवाओं, एम्बुलेंस व्यवस्था, रेफरल प्रक्रिया तथा शासन के विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी जाए, ताकि वे अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन कर सकें और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि चिकित्सक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचाने में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ। नागरिकों को यह जानकारी होनी चाहिए कि उन्हें किस स्वास्थ्य केंद्र पर कौन-कौन सी सुविधाएँ मिल सकती हैं और आवश्यकता पड़ने पर वे किस प्रकार इनका लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का करें प्रभावी क्रियान्वयन

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बांड डॉक्टरों को एनीमिया मुक्त भारत अभियान, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन अभियानों की सफलता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाना और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि वे अपने कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन करें। क्षेत्र में प्रचलित बीमारियों, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, उपचार में आने वाली बाधाओं तथा स्वास्थ्य संकेतकों की स्थिति को समझें। यदि स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में कहीं कोई कमी, समस्या अथवा सुधार की आवश्यकता दिखाई देती है, तो उसे चिह्नित कर वरिष्ठ अधिकारियों के सज्ञान में लाएँ, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

कि स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए मैदानी अमले के साथ समन्वय अत्यंत आवश्यक है। बांड डॉक्टरों सीएचओ, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ नियमित संवाद करें। स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करें। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, नियमित एएनसी जाँच, सुरक्षित प्रसव तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर निगरानी पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समय पर जाँच, उचित परामर्श और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) एवं शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में सुधार लाने के प्रयासों को गति मिलेगी।

बीएमओ और सीएमएचओ नियमित रूप से

करें स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निर्देश दिए कि संबंधित ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) सप्ताह में एक बार अपने क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, उपलब्ध संसाधनों, मानव संसाधन, दवाओं, जाँच सुविधाओं तथा कार्यप्रणाली से संबंधित कमियों को चिह्नित किया जाए। नवागत बांड डॉक्टरों को इन कमियों के निराकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को निर्देश दिए कि वे माह में एक बार सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों

का निरीक्षण करें और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता की समीक्षा करें। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सकों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने, सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित करने और सेवाभाव को प्रोत्साहित करने में वरिष्ठ अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बांड डॉक्टरों का मार्गदर्शन किया जाए तथा उन्हें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उपलब्ध स्वास्थ्य अधोसंरचना का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया।

ई-संजीवनी सेवा का करें प्रभावी उपयोग

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बांड डॉक्टरों को ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को

विशेषज्ञ चिकित्सकों से ऑनलाइन परामर्श उपलब्ध कराया जा सकता है। चिकित्सक इस सेवा के प्रति नागरिकों को जागरूक करें तथा स्वास्थ्य केंद्रों में इसके नियमित उपयोग को प्रोत्साहित करें, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को समय पर उचित चिकित्सकीय परामर्श मिल सके और उन्हें विशेषज्ञ सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से दूरस्थ अस्पतालों तक जाने की आवश्यकता कम हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करना समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का महत्वपूर्ण अवसर है। संवेदनशीलता, समर्पण, अनुशासन और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए चिकित्सक आम नागरिकों का विश्वास अर्जित करें। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। बांड डॉक्टरों इस लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। बांड डॉक्टरों ने अपने कार्यक्षेत्र में पदस्थापना के अनुभव साझा किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिले में पदस्थ बांड डॉक्टरों शामिल थे।

ट्रेड लाइसेंस बनाने में लापरवाही करने पर 20 राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

राजस्व वसूली समीक्षा के दौरान ट्रेड लाइसेंस नहीं बनाये जाने एवं पुराने ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण लक्ष्य के अनुरूप नहीं करने पर 20 राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। नोडल अधिकारी राजस्व श्री सतेन्द्र भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त नगर निगम श्री अभिषेक चौधरी द्वारा साप्ताहिक समीक्षा के दौरान लक्ष्य के अनुरूप नवीन ट्रेड लाइसेंस नहीं बनाये जाने एवं पुरानी ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण लक्ष्य के अनुरूप नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की गई। जिसको लेकर कार्य में लापरवाही करने वाले 20 राजस्व करसंग्रहकों को नोटिस जारी किया गया है। जिसमें राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 01 श्री विनय कुमार, क्षेत्र क्रमांक 2 श्री

कुलदीप गुर्जर, क्षेत्र क्रमांक 4 श्री भारतसिंह गुर्जर, क्षेत्र क्रमांक 6 श्री पुरुषोत्तम दुबे, क्षेत्र क्रमांक 7 श्री अंशुल पाराषर, क्षेत्र क्रमांक 8 श्री संजय जैन, क्षेत्र क्रमांक 9 श्री देवेन्द्र यादव, क्षेत्र क्रमांक 10 श्री मनोज राजपूत, क्षेत्र क्रमांक 11 श्री धर्मेन्द्र धाकड़, क्षेत्र क्रमांक 12 के श्री कपिल पाण्डे, क्षेत्र क्रमांक 13 श्री नरेन्द्र मिशोरिया, क्षेत्र क्रमांक 14 श्री कीर्त गुर्जर, क्षेत्र क्रमांक 15 श्री ऋषिकुमार, क्षेत्र क्रमांक 16 श्री मोहर सिंह, क्षेत्र क्रमांक 18 श्री शिवकुमार गौतम, क्षेत्र क्रमांक 19 श्री हेमंत शर्मा, क्षेत्र क्रमांक 20 श्री जषवंत सिंह, क्षेत्र क्रमांक 21 श्री वेदांत जादौन, क्षेत्र क्रमांक 23 श्री राकेश खरे एवं क्षेत्र क्रमांक 25 श्री जगदीश बघेल के द्वारा ट्रेड लायसेंस बनाने में लापरवाही करने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

समस्त प्रगणक जनगणना में कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे- विनय कुमार मोर्य

जालौन, जीएनएस।

एमएसबी इंटर कॉलेज कालपी में तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण में उप जिलाधिकारी विनय कुमार मोर्य मौजूद प्रगणकों को कड़े शब्दों में कहा कि जो प्रशिक्षण दौरान बिंदु बताए गए हैं उन बिंदुओं को ध्यान से सुनकर अपने अभिलेखों में अंकित करने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने कहा कि संबंधित ग्रामों में प्रत्येक घर के दरवाजे में पहुंचकर परिवार के मुखिया से मिलकर परिवार में समस्त लोगों की संख्या पूछ कर अपने अभिलेखों में दर्ज करने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने कहा इस अभियान में किसी भी प्रगणक ने हीला हवाली की ऐसे प्रगणक को किसी भी सूत्र में बर्दाश्त नहीं करूंगा सभी प्रगणक अपनी अपनी जिम्मेदारी में खरे उतरने के निर्देश दिए दूसरे दिन मंगलवार प्रशिक्षण दौरान लगभग 350 प्रगणकों निर्धारित समय में विद्यालय में आकर परीक्षण की कार्यवाही अमल में लाई गई।

इफको के जिम्मेदारों ने बाजार कालपी में फेंचाइजी अभियान चलाकर की सफाई

जालौन, जीएनएस।

टरननगंज स्थित इफको बाजार फेंचाइजी कालपी में गहन सफाई अभियान चलाया गया जिसमें इफको बाजार उई के धर्मेन्द्र कुमार एस एफ ए ने मौके में पहुंचकर अपनी अपनी सहभागिता दिखाते हुए सफाई अभियान के तहत नगर के उर्वरक एवं अन्य दुकानदारों को स्वच्छता का संदेश दिया।

उन्होंने स्वच्छ परिसर स्वच्छ वातावरण एवं स्वच्छता ही सेवा संकल्प के रूप में लोगों को सफाई अभियान को प्रतिदिन नगर को स्वच्छ बनाने के लिए पुरजोर

आवाहन किया इफको अधिकारियों ने फेंचाइजी बाजार स्वयं में झाड़ू लगाकर कचरे को साफ कर पूरे परिसर को स्वच्छता के तहत सुशोभित किया गया उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि इस अभियान का उद्देश्य कार्य स्थल पर स्वच्छता बनाए रखना और इसके प्रति लोगों को जागरूक करना अति आवश्यक था मौके में इफको अधिकारी धर्मेन्द्र पाल बाजार फेंचाइजी केंद्र प्रभारी मनोज चतुर्वेदी आई एफ एससी केंद्र प्रभारी राकेश पुरवार पीयूष द्विवेदी लखन तिवारी आसिफ राजा मंसूरी प्रवीण सिंह पण्पू सैनी आदि लोग मौजूद थे।

योजनाओं के लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण करें, सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाएं लाभ

भोपाल, जीएनएस।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभागीय योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएँ। योजनाओं का लाभ सभी पात्र जरूरतमंदों तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर सतत निगरानी और हितग्राहियों से संवाद आवश्यक है। मंत्री श्री कुशवाहा विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री के. सी. गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि

उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के साथ किसानों को खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे किसानों को योजनाओं की जानकारी दें और आवेदन से लेकर लाभ प्राप्त होने तक आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराएँ। पात्र हितग्राहियों के प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहें।

मंत्री श्री कुशवाहा ने निर्देश दिए कि योजनावार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। स्वीकृत बजट का नियमानुसार और समय पर उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे किसी भी योजना की राशि लैप्स नहीं हो। जिन जिलों में प्रगति अपेक्षाकृत कम है,



वहाँ कठिनाइयों का समाधान कर कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अमला किसानों की आवश्यकताओं को समझकर कार्य करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखें। मंत्री श्री कुशवाहा ने ग्वालियर में प्रस्तावित हाईटेक फ्लोरीकल्चर नर्सरी की स्थापना के कार्य में तेजी

लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए। इसके लिए संचालनालय स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भेजकर संबंधित विषयों का निराकरण कराया जाए। अपर मुख्य सचिव श्री के. सी. गुप्ता ने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि लंबित कार्यों के लिए स्पष्ट समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करें। प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी निर्धारित कर प्रगति की निगरानी की जाए। जिला अधिकारी विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति के साथ कार्यों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करें।

हितग्राहीमूलक योजनाओं में प्राप्त आवेदनों की जाँच और निराकरण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर किया जाए। श्री गुप्ता ने कहा कि मैदानी अधिकारी नियमित निरीक्षण करें और क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं से वरिष्ठ कार्यालय को समय पर अवगत कराएँ। विभिन्न स्तरों पर बेहतर समन्वय से स्वीकृत

कार्यों को गति दें। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, बजट उपयोग और आगामी कार्यों की प्राथमिकताओं की समीक्षा की गई। आयुक्त उद्यानिकी श्री सौरभ सुमन ने कहा कि विभागीय योजनाओं के सभी निर्धारित लक्ष्य नवंबर माह के अंत तक पूर्ण कर लिए जाएँगे। इसके लिए मैदानी स्तर पर कार्यों में तेजी लाकर प्रगति की नियमित निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभागीय योजनाओं के विस्तार और अधिकाधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए केंद्र एवं राज्य शासन को अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने के प्रस्ताव भी भेजे जाएँगे।

समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए ग्वालियर-चंबल संभाग का दौरा करेंगे सत्यदेव उपाध्याय

जन-जन तक पहुँचाएंगे समाजवादी विचारधारा का संदेश, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ करेंगे विशेष बैठकें

ग्वालियर, जीएनएस।

समाजवादी पार्टी, मध्य प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री सत्यदेव उपाध्याय ग्वालियर-चंबल संभाग का दौरा कर समाजवादी पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य ग्वालियर-चंबल संभाग में समाजवादी पार्टी के संगठन को मजबूत करना, पार्टी की गतिविधियों का विस्तार करना तथा अधिक से अधिक लोगों को समाजवादी विचारधारा से जोड़ना है। इस दौरान श्री उपाध्याय विभिन्न



क्षेत्रों में पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोगों के साथ विशेष बैठकें करेंगे। इन बैठकों में संगठनात्मक मजबूती, जनसंपर्क अभियान, आगामी पार्टी कार्यक्रमों तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

श्री सत्यदेव उपाध्याय ने कहा कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा सामाजिक न्याय,

समानता, भाईचारे और सर्वसमावेशी विकास पर आधारित है। इन विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और आमजन की समस्याओं को मजबूती से उठाना पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक है कि कार्यकर्ता पूरी सक्रियता, एकजुटता और समर्पण के साथ जनता के बीच पहुँचें तथा

उनकी समस्याओं को समझकर समाधान के लिए प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी को एक मजबूत एवं सक्रिय राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर जनसंपर्क, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और संगठनात्मक विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्वालियर-चंबल संभाग का यह दौरा पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा समाजवादी विचारधारा को व्यापक जनसमर्थन दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

श्री सत्यदेव उपाध्याय ने संकल्प व्यक्त किया कि समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने, संगठन को मजबूत बनाने और जनहित की आवाज को बलुंद करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

सैंदड़ा रोड में आयोजित हुआ 'ई-वेस्ट प्रबंधन' जागरूकता कार्यक्रम

भारत सरकार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 'विशेष अभियान -6' के तहत मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय (राबाउमावि) सैंदड़ा रोड में प्रार्थना सभा के पश्चात 'ई-वेस्ट प्रबंधन' (E-Waste Management) विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री ललित खन्ना ने छात्राओं और स्टाफ को ई-वेस्ट के प्रति जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने अपने संबोधन में निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला ई-वेस्ट की श्रेणी-ई-वेस्ट (इलेक्ट्रॉनिक कचरे) के अंतर्गत आने वाले विभिन्न उपकरणों और गैजेट्स की पहचान। पर्यावरण

पर दुष्प्रभाव- पुराने और खराब इलेक्ट्रॉनिक सामानों के लापरवाही से फेंके जाने पर पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणाम। वैज्ञानिक निस्तारण- ई-वेस्ट का सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने की आवश्यकता और इसके विभिन्न प्रभावी तरीकों की जानकारी।

ऊर्जा मंत्री ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

रबी सीजन और दीपावली के लिये निर्बाध विद्युत आपूर्ति करें सुनिश्चित: ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल, जीएनएस।

रबी सीजन और दीपावली के लिये निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसके लिये हर संभव उपाय करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मंगलवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सिंहस्थ में सतत विद्युत आपूर्ति के लिये अभी से सुनियोजित कार्य-योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को हर

महीने बिजली बिल दें। साथ ही वसूली भी हर महीने करें। अधिक दिनों के बिल लंबित होने पर वसूली में कठिनाई आती है। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जारी कार्यों की सतत समीक्षा कर उन्हें पूरा करायें।

बिजली बिलों की त्रुटियाँ शीघ्र दूर करें: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि बिजली बिलों से संबंधित त्रुटियों का निराकरण शीघ्र कराया जाये। इसके लिये उपभोक्ताओं को भटकना नहीं पड़े।

उन्होंने कहा कि जन-प्रतिनिधियों से मिलकर चर्चा करें और बिजली से संबंधित समस्याओं का निराकरण करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि संसाधनों में वृद्धि के बावजूद ट्रिपिंग में अपेक्षित कमी क्यों नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि इसकी सतत समीक्षा करें। श्री तोमर ने कहा कि कम्पनियों के एमडी संभाग स्तर पर बैठक कर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। विद्युत आपूर्ति और माँग की सतत समीक्षा होनी

चाहिये। बैठक में प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह ने कहा कि शासन की मंशानुसार बिजली उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। इस दौरान सचिव ऊर्जा श्री विशेष गढ़पाले, एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री अजय गुप्ता, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री ऋषि गर्ग और एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री अनूप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में रसोई गैस के दुरुपयोग को रोकने के लिये विशेष अभियान जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

जिले में रसोई गैस का दुरुपयोग रोकने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर मंगलवार को शहर में विभिन्न स्थानों पर खाद्य विभाग के दल द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। विभाग के दल द्वारा फूलबाग चौपाटी, गुरुद्वारा चौपाटी एवं गुड़ा गुड़ी नाके पर स्थित सात अलग-अलग प्रतिष्ठानों से 20 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किये हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अरविंद भदौरिया से प्राप्त

जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग के दल द्वारा किए गए निरीक्षण के समय फूलबाग चौपाटी, गुरुद्वारा चौपाटी के प्रतिष्ठानों से घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग कर पकवान तैयार कर बेचे जा रहे थे। इसी तरह गुड़ा गुड़ी के नाके के 02 प्रतिष्ठानों से घरेलू सिलेंडरों से 5 किलो के छोटे सिलेंडरों में रिफिलिंग कर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए सभी 20 घरेलू सिलेंडरों को अनंत गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दिया गया है।

खनिज पदार्थों का परिवहन करने वाले वाहनों में अनिवार्यतः लगाने होंगे आरएफ टैग

ग्वालियर। जिले में खनिज पदार्थों के परिवहन में संलग्न सभी वाहनों में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अनिवार्यतः आरएफ टैग लगवाने के निर्देश दिए हैं। इस क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री विक्रमजीत सिंह कंग ने डम्पर संचालकों की बैठक लेकर सभी वाहनों में जल्द से जल्द आरएफ टैग लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन इस कार्य को लेकर गंभीर है, इसलिये आरएफ टैग लगवाने में कोई ढिलाई न हो, अन्यथा प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। ज्ञात हो आरएफ टैग एक ऐसा छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है जो रेडियो तरंगों का उपयोग कर वाहन की पहचान और ट्रैकिंग करता है।

सम्पत्तिकर विभाग के अधिकारियों के दायित्व बदले

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने कार्यसुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से सम्पत्तिकर विभाग में विभिन्न अधिकारियों के दायित्व में फेरबदल किया है। जिसमें अपर आयुक्त सम्पत्तिकर सम्पूर्ण नगरीय क्षेत्र का दायित्व श्री टी प्रतीक राव सौंपा है।

नगर निगम आयुक्त श्री चौधरी द्वारा जारी आदेश अनुसार प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर दक्षिण विधानसभा श्री सुनील चौहान, प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर ग्वालियर विधानसभा श्री उत्तम जखैनिया, प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर पूर्व विधानसभा श्री रजनीश गुप्ता और प्रभारी उपायुक्त

सम्पत्तिकर ग्रामीण विधानसभा श्री मुकेश बंसल को बनाया गया है। इसके साथ ही नामांतरण व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए 5 हजार वर्ग फुट तक के नामांतरण सम्बंधित विधानसभा क्षेत्र के सम्पत्तिकर उपायुक्त करेंगे एवं इनके अपीलीय अधिकारी अपर आयुक्त सम्पत्तिकर रहेंगे।

5001 से 10000 वर्ग फुट तक के नामांतरण अपर आयुक्त सम्पत्तिकर करेंगे एवं इनके अपीलीय अधिकारी अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर रहेंगे। 10000 वर्ग फुट के अधिक के नामांतरण आयुक्त नगर निगम करेंगे एवं इनके अपीलीय अधिकारी अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर रहेंगे।

चौकी प्रभारी ने एक सटोरिया को दबोच कर नगदी रुपए पर्ची की बरामद

जालौन, जीएनएस।

चौकी प्रभारी ने बीती स्टेशन से सटोरिया को गिरफ्तार किया तथा नगदी 900 रुपए एवं पर्ची बरामद की।

कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी कुशल निर्देशन में रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भड़ाना सिपाही आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ सोमवार की रात नगर में भ्रमण कर रहे थे वही सट्टे खेल की सूचना पाकर पहुंची पाल पुलिस टीम ने रामगंज कछियाना मोहल्ला निवासी जगदीश पुत्र मंगली रेलवे स्टेशन पुराने चौराहे में खड़े होकर पेन से पर्ची में

नंबर लिखकर सट्टे के हार जीत खेल को अंजाम दे रहा था तभी पुलिस टीम ने रुपए तथा पर्ची के साथ गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने अभियुक्त खिलाफ 13 जी जुआ एक्ट के तहत मुकदमा कायम कर विवेचना उप निरीक्षक दयाशंकर सिंह यादव को जांच सौंपकर सारी औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए निजी मुचालका भरकर दूसरे दिन मंगलवार को अभियुक्त को कोतवाली से छोड़ा सटोरिया की गिरफ्तारी से सट्टा खेलने वालों के बीच हड़कंप मच गया।

कई सालों वांछित अभियुक्तों की बरामदी न होने पर कुर्की शीघ्र की जाएगी-बीएल यादव

जालौन, जीएनएस।

नगर के मोहल्ले सदर बाजार निवासी प्रदीप ने लगभग 7 साल पूर्व बालिक लड़की प्रेम प्रसंग के जरिये अपहरण की घटना को अंजाम दिया था उक्त घटना में पीड़ित पिता के द्वारा कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराया गया था इसके उपरांत जांच कोतवाली कालपी उप निरीक्षक के द्वारा की जा रही थी इतना भी नहीं दोनों वांछित अभियुक्तों की बरामदी करने में मकान से लेकर सदिग्ध जगहों पर ताबडत तोड़ दबिश दी गई थी फिर भी दोनों अभियुक्त को पुलिस टीम ने बरामद करने में हाथ खड़े कर दिए उक्त मुकदमा वर्ष

2024 में एसटी थाना मुख्यालय उर्ई विवेचना ट्रांसफर हुई मौजूद इंस्पेक्टर बीएल यादव को 2024 में मुकदमे की विवेचना मिलती ही उन्होंने विवेचना को ग्रहण कर महिला उप निरीक्षक प्रियंका पटेल एवं अन्य उप निरीक्षक पुलिस बल के साथ टीम के तहत अभियुक्तों की बरामदी अभियान बराबर चलाया गया इसके उपरांत उन्होंने वारंट 82 लेकर ताबडतोड़ कालपी निज निवास से लेकर सदिग्ध जगहों पर दबिश दी फिर भी अभियुक्तों की बरामदी नहीं कर सके इतना भी नहीं अथक प्रयास के बाद भी कोई भी पता नहीं चल सका।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

☎ 0751-2625029

☎ 9074257600

शिवपुरी

☎ 07492-232149

☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

मदाखलत अमले ने हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर के मदाखलत टीम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने की निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में मदाखलत अमले द्वारा शहर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही कर अतिक्रमण हटाया गया इसके साथ ही अवैध रूप से एवं बिना अनुमति लगे पोस्टर, बैनर एवं कटआउट हटाये गये।

नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देने हुए बताया गया कि निगम द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

की जा रही है। इसके तहत आज मंगलवार को ग्वालियर पूर्व विधानसभा के अन्तर्गत मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशन में जोन 9 के वार्ड 26 में समय पाल के साथ मुरार हरिजन बस्ती में नाले के पास सरकारी जमीन पर लगा टीन पैड को हटवाया और रखी गुमटी को हटाने की सख्त हिदायत दी गई न हटाने पर जप्ती की कार्यवाही की जाएगी इसके बाद फूटी पार्क से एम एस चौराहा सिंगपुर रोड बारादरी चौराहा तक लाइट के खम्बे व चौराहा पर लगे राजनीतिक विज्ञापन वाले सभी कटआउट को निकलवाया इसके उपरांत मेला लाल बत्ती से गोले का मंदिर चौराहा तक यातायात में

बाधक फुटपाथियों का सामान जप्त कर हटवाया इसके बाद हुरावली रोड से प्राप्त सी एम हेलपलाइन से प्राप्त शिकायतों का निराकरण किया गया।

इसके साथ ही दक्षिण विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत महाराज बाडा से माधौगंज चौराहा तक अतिक्रमण किए हुए हाथ ठेले वालों को हटवाने की कार्यवाही की गई। साथ ही ग्वालियर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत मदाखलत अधिकारी श्री रवि कुमार कोरी के निर्देश पालन में पिकायतकर्ता के द्वारा आयुक्त श्री चौधरी को दिए गए आवेदन के क्रम में तानसेन आरओवी पुल के नीचे मय दल सहित पहुंचकर सड़क के अन्दरी भाग, फुटपाथ पर लोहे के एनालो

को जमीन में गाड़कर एवं पक्का टीनपैड लगाकर उसके अन्दर मवेशियों को बांधकर दुग्ध डेयरी का संचालन होना एवं टीनपैड की दुकानों एवं गोदामों को बनाकर कबाड़ा एवं लोहे की बनी गुमटिया लगाकर कारोबार किया जा रहा है मौके पर स्थाई निर्माण किया गया है साथ ही असमाजिक तत्वों का जमावड़ा भी रहता है उक्त पिकायत को मूलतः कलैक्ट्रेट राजस्व की ओर भेजकर कार्यवाही किया जाना उचित होगा। इसके साथ ही ग्रामीण विधानसभा-माधव नगर चौराहे से चेतकपुरी अचलेश्वर गोलम्बर एवं माड़े की माता तक खम्भों पर लगे झण्डी बैनर निकालने की कार्यवाही की गई।

भीम टोला में पेयजल समस्या का निराकरण

श्यापुर, जीएनएस।
मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित किये जा रहे जनसंवाद कार्यक्रम जहां जनकल्याणकारी योजनाओं में लोगों को लाभ देने और उनकी समस्याओं का निदान करने में सफल साबित हो रहे हैं, वहीं गांव की प्रमुख समस्याओं के निराकरण में भी कारगर हो रहे हैं। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा की अध्यक्षता में विकासखंड कराहल के ग्राम खिरखिरी में आयोजित जन विश्वास शिविर के दौरान भीम टोला में पेयजल संबंधी समस्याएं सामने आई थीं, जिसमें ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम भीम टोला में नलों के माध्यम से पर्याप्त

मात्रा में जल की आपूर्ति नहीं हो रही है, इस पर कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर समस्या के निराकरण हेतु निर्देशित किया गया था। कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अफजल अमानुल्ला ने बताया कि उक्त समस्या के निराकरण के लिए तत्काल विभागीय टीम भेजकर पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण कराया गया तथा जल जीवन मिशन अंतर्गत स्थापित नलजल योजना के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सभी क्षेत्रों में एक साथ पानी की सप्लाई होने से पर्याप्त जलापूर्ति में समस्या आ रही थी।

ग्राम कंवरसली में शक्ति संचय एवं क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।
मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद श्यापुर अंतर्गत नवांकुर संस्था रिद्धांशी समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में प्रेमसर सेक्टर के ग्राम कंवरसली में शक्ति संचय एवं क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एकता, जनभागीदारी, महिला सशक्तीकरण तथा सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना रहा। प्रशिक्षण के दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की भूमिका, उनके दायित्वों और गांव के विकास में सामूहिक सहभागिता के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ग्रामीण क्षेत्रों में



जनजागरूकता बढ़ाने, सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित करता है। इसी क्रम में आयोजित शक्ति संचय कार्यक्रम में ग्रामीणों को संगठित होकर सामाजिक एवं विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती शाहीन परवीन के मार्गदर्शन तथा नवांकुर संस्था रिद्धांशी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री दिनेश मीणा के नेतृत्व में सामाजिक विकास, जनभागीदारी और ग्रामीण स्तर पर समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सामाजिक

जागरूकता, सामुदायिक सहयोग, महिला सशक्तीकरण और जनहित से जुड़े कार्यों में मिलकर योगदान देने की आवश्यकता पर विचार साझा किए। कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों को सामूहिक प्रयासों से गांव में सकारात्मक बदलाव लाने तथा समाज कल्याण की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में श्री बलराम मीणा, श्री रामरूप मीणा, श्री रामावतार बड़ोदिया, श्री मोहित शर्मा, श्री कृष्ण मीणा, श्री मोहित मीणा, सुश्री सविता जाटव, सुश्री संजना बैरवा, सुश्री कविता, श्री दुर्गेश, सुश्री सावित्री, सुश्री रामधारा, सुश्री रामलीला, सुश्री रुक्मणी, श्री मनीष, सुश्री कलावती, सुश्री शांति, सुश्री लक्ष्मी सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार मिलें खाद बीज एवं अन्य कृषि अनुदान

श्यापुर, जीएनएस।
कृषि उत्पादन आयुक्त श्री केसी गुप्ता ने कहा है कि रबी 2026- 27 के लिए प्रदेश के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद, बीज एवं अन्य कृषि अनुदान सुगमता से प्राप्त हों। इसके लिए कृषि, सहकारिता और अन्य सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। प्रदेश में खाद बीज आदि की पर्याप्त उपलब्धता है, किसानों को फसलों के विविधीकरण, उर्वरक के संतुलित उपयोग, प्रमाणित बीजों के प्रयोग, पराली न जलाने और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। इस वर्ष किसानों को फसलों की जल्दी बुवाई के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे वर्तमान में मिट्टी में उपलब्ध नमी का उपयोग कर सकें।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री गुप्ता द्वारा चंबल और ग्वालियर संभाग के लिए खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा और रबी 2026- 27 की तैयारियों सम्बन्धी बैठक के दौरान बीसी के माध्यम समीक्षा की गई। इस दौरान आयुक्त चंबल एवं ग्वालियर संभाग श्री मनोज खत्री सहित श्यापुर, भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर जिलों के कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और अन्य संबंधित अधिकारी बीसी के दौरान मौजूद रहें। इस अवसर पर एनआईसी कक्ष श्यापुर में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर श्री शिवलाल शाक्य, उप संचालक कृषि श्री आरके सिंह, उप संचालक पशुपालन डॉ सुभाषबाबू दौहरे, सहायक संचालक मत्स्य श्री नीरज शर्मा सहित उद्यानिकी, सहकारिता, कृषि उपज मंडी के अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री गुप्ता ने अधिकारियों को खाद वितरण पर विशेष ध्यान देने और इसकी माइक्रो प्लानिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सुगमता के साथ उर्वरक प्रदाय किये जाने हेतु सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें, कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि नकली और अमानक खाद, बीज एवं कीटनाशक के विक्रय को सख्ती से रोका जाए और ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, उन्होंने जिले में संचालित सभी खाद-बीज एवं कीटनाशक दुकानों से

सैम्पल लिये जाने के निर्देश भी दिये। श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि पराली प्रबंधन के लिए किसानों को समझाइश दी जाए तथा हार्वेस्टर के प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाए। हर हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) लगा होना चाहिए, इससे नरवाई मिट्टी में मिल जाती है। किसानों को फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाए जाने के साथ ही मंडियों को आधुनिक और किसानों के लिए सर्वसुविधा युक्त बनाए जाने पर भी जोर दिया।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाया जाए। इससे न केवल किसान समृद्ध होगा अपितु जीडीपी में भी वृद्धि होगी। उन्होंने क्लस्टर आधारित उद्यानिकी पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक जिला 01-01 हजार एकड़ क्षेत्र का कम से कम 1-1 उद्यानिकी क्लस्टर बनाए, जिसमें उस जिले की विशिष्ट उद्यानिकी फसल लगाई जाए। इससे न केवल उस जिले की विशिष्ट पहचान बनेगी, अपितु किसानों की आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के सुचारु एवं त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए। श्री गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध विशाल जल संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग से मत्स्य उत्पादन को दोगुना करने, निजी निवेश को आकर्षित करने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से यह नीति लागू की गई है। नीति के अंतर्गत केज कल्चर के साथ-साथ एक्वापोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ईको-टूरिज्म और ग्रीन एनर्जी जैसी एकीकृत गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 4.50 लाख से अधिक केज स्थापना के लिए आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिससे लगभग 40,000 करोड़ के निजी निवेश तथा 3.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। बैठक में एपीसी श्री गुप्ता ने दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान तथा क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत चयनित ग्रामों में सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण करने और हिरण्यगर्भा अभियान (राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम) की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सेटेंस डॉक्टर नवाचार: भाषा संबंधी समझ को विकसित करने का माध्यम

श्यापुर, जीएनएस।
शिक्षा को सरल, रोचक और प्रभावी बनाने के लिए शिक्षक श्री विजय कुमार शर्मा लगातार नए प्रयोग कर रहे हैं। अपने नवाचारों के माध्यम से उन्होंने श्यापुर जिले को राज्य स्तर पर पहचान दिलाई है। उनके नवाचारों को पिछले दो वर्षों में पांच बार राज्य स्तरीय प्रेरक प्रयास में स्थान मिला है। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से अंग्रेजी विषय का डर दूर करना और उनमें आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी सीखने की रुचि विकसित करना है। शिक्षक श्री विजय कुमार शर्मा का इस बार का नवाचार 'सेटेंस डॉक्टर' विद्यार्थियों को अंग्रेजी सिखाने का एक रोचक तरीका है। इस नवाचार में विद्यार्थियों की गलतियों को सीखने और स्वयं में सुधार करने का अवसर माना जाता है। बच्चे बोर्ड पर लिखे वाक्यों की त्रुटियों को स्वयं पहचानते हैं और उन्हें सही करके अपनी भाषा संबंधी समझ को मजबूत बनाते



हैं। इस गतिविधि से बच्चे अंग्रेजी के वाक्यों की संरचना, व्याकरण और सही प्रयोग को समझने का प्रयास करते हैं। साथ ही, गलत उत्तर देने का डर कम होता है और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ कक्षा की गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह नवाचार बताता है कि गलती सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है और सही मार्गदर्शन से वही गलती ज्ञान का माध्यम बन सकती है। क्रिज से लेकर पुस्तकों के अस्पताल तक कई नवाचार विजय कुमार शर्मा के नवाचारों में केवल 'सेटेंस डॉक्टर' ही नहीं, बल्कि कई अन्य गतिविधियां भी शामिल हैं। इनमें

क्रिज कॉम्पिटिशन, पीयर लर्निंग, पुस्तकों का अस्पताल और डेली इंग्लिश सेटेंस स्ट्रक्चर प्रैक्टिस जैसे प्रेरक प्रयास प्रमुख हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में विषय की समझ विकसित करने, एक-दूसरे से सीखने और नियमित अभ्यास की आदत को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा, 'वन बॉय वन टैलेंट' और 'बच्चे बने शिक्षक' जैसे नवाचार भी बच्चों की प्रतिभा को सामने लाने और उन्हें सीखने-सिखाने की प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों को अपनी क्षमताएं

पहचानने, अपनी बात रखने और दूसरे बच्चों के साथ ज्ञान साझा करने के अवसर मिलते हैं। शिक्षक विजय कुमार शर्मा के नवाचारों के पीछे वरिष्ठ शिक्षकों की प्रेरणा और मार्गदर्शन की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। वे सेवानिवृत्त शिक्षक श्री राजेंद्र शर्मा तथा प्राचार्य श्री अशोक कुमार खंडेलवाल से प्रेरित होकर शिक्षण के क्षेत्र में नए प्रयोग कर रहे हैं। इनसे मिली प्रेरणा ने उन्हें पढ़ाई को अधिक रोचक, सरल और प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया है। श्री विजय कुमार शर्मा का प्रयास है कि अंग्रेजी विद्यार्थियों के लिए कठिन विषय न रहकर सहज और रुचिकर सीखने का माध्यम बने। वे ऐसी गतिविधियों पर जोर देते हैं, जिनमें बच्चे स्वयं भाग लें, अभ्यास करें और गलतियों से सीखें। इससे विद्यार्थियों की कक्षा में सक्रियता बढ़ने और अंग्रेजी के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में मदद मिलती है।

विकसित भारत@2047 के लक्ष्य पूर्ति में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की पूर्ति में पूरा राष्ट्र प्रयास कर रहा है। मध्यप्रदेश की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। मध्यप्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। सिंचाई, ऊर्जा, युवाओं को रोजगार, चिकित्सा शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रारंभ करने, प्रदेश में 21 वर्ष बाद सुगम परिवहन सेवा का मॉडल लाने और वैश्विक योजना सिंहस्थ के लिए स्थाई महत्व के कार्यों को प्रारंभ करने में सफलता मिली है। विकास का सिलसिला जारी रहेगा। आगामी वर्ष-2027 युवा वर्ष होगा। युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार अधिक से

अधिक प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्थानीय कोर्टयार्ड बाय मैरियट में निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम युवा संवाद को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाली प्रदेश की विभूतियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के वर्ष अभूतपूर्व हैं। उन्होंने युवाओं, नारियों, किसानों और निर्धनों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया है। सुस्पष्ट प्रशासन और सुशासन के साथ समग्र विकास हासिल करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं के लिए अवसर संबंधी प्रश्न के उत्तर



में कहा कि मध्यप्रदेश ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में सामयिक और उपयोगी ट्रेड प्रारंभ करने पर ध्यान दिया है। ऐसी संस्थाओं में ही आईटी पार्क भी विकसित किए जा रहे हैं, जो भविष्य की संभावनाओं के दृष्टिगत आवश्यक हैं। जापान और कोरिया की भाषाओं का शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यार्थियों को मिल रहा है। मध्यप्रदेश के विद्यार्थी

ज्ञान और कौशल के मामले में किसी से पीछे नहीं रहेंगे। युवाओं को उद्यमशील बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के पक्के इरादे से नक्सलवाद की समाप्ति हुई है। अब युवाओं को नशे से बचाने के

लिए निरंतर कार्य किया जाएगा और वर्ष 2029 तक ड्रग्स के कारोबार में ताला लग जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र निर्वाचन से ही बचता है और लोकतंत्र के लिए शुद्ध चुनाव आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट किए जाने के संबंध में कहा कि भोपाल ऐतिहासिक नगर है। श्रीनगर में चलने वाले शिकारे भोपाल के भोजताल में चलने लगे हैं। भोपाल में दूसरी बार जीआईएस आयोजन का विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर-इंदौर कॉरिडोर

को महाकौशल अंचल के तीव्र विकास के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, विंध्य अंचल में सीमेंट कारखानों की श्रृंखला और हाल ही में प्रदेश में बड़े पैमाने पर शासकीय सेवकों की पदोन्नतियों के संबंध में भी बातचीत की। युवा संवाद में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा, आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह और संचालक जनसम्पर्क श्री अरविन्द दुबे सहित गणमान्य नागरिक, पत्रकार और मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रारंभ में कार्यक्रम में श्री मोहित सिन्हा और चैनल के अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया।

मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व एवं फसल क्षति कम करने के लिए कृष्णमृग स्थानांतरण अभियान

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मालवा अंचल के शाजापुर-झुजालपुर क्षेत्र में कृष्णमृग (ब्लैकबक) कैप्चर एवं स्थानांतरण अभियान का द्वितीय चरण जारी है। अभियान के अंतर्गत ग्राम बाड़ीगांव में सोमवार को 169 तथा मंगलवार को 111 वन्यजीवों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। ग्राम बाड़ीगांव में दो दिनों में कुल 280 वन्यजीवों का रेस्क्यू किया

गया है। इसके साथ ही अभियान में अब तक रेस्क्यू किए गए वन्यजीवों की कुल संख्या 1,275 हो गई है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व एवं फसलों को होने वाली क्षति को कम करना, प्रभावित ग्रामीण समुदायों को राहत प्रदान करना तथा वन्यजीवों को सुरक्षित तरीके से उपयुक्त वन्य आवास में स्थानांतरित करना है। अभियान के द्वितीय चरण में कृष्णमृगों के

स्थानांतरण का लक्ष्य 2,000 निर्धारित किया गया है।

अभियान में दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञ संस्था कंजर्वेशन सॉल्यूशंस का तकनीकी सहयोग प्राप्त हो रहा है। पशु चिकित्सकों, वन अधिकारियों एवं मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रशिक्षित मैदानी कर्मचारियों की टीम निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार वन्यजीवों के सुरक्षित रेस्क्यू, हैंडलिंग एवं परिवहन का कार्य

कर रही है। वन्यजीवों की सुरक्षा एवं कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

वन विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान संचालित किया जा रहा है। विभाग ने आमजन से अपील की है कि अभियान के दौरान टीम को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा वन्यजीवों की सुरक्षा एवं अभियान के सुचारु संचालन में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने की भेंट

भोपाल, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने मुख्यमंत्री निवास में भेंट की। उन्होंने सऊदी अरब में उमराह के लिए गए प्रदेश के यात्रियों की सुरक्षित और शीघ्र भारत वापसी के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में पहल करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को डॉ. सनवर पटेल ने इस संबंध में पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को संबोधित पत्र में लेख है कि पश्चिमी एशिया की वर्तमान परिस्थितियों और हवाई सेवाओं में व्यवधान के कारण सऊदी अरब में उमराह के लिए गए

अनेक यात्रियों को निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रुकना पड़ रहा है। जिससे उनके आवास, भोजन, दवाइयों और अन्य आवश्यकताओं पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ रहा है। प्रभावित यात्रियों के परिजन भी उनकी सुरक्षित वापसी को लेकर चिंतित हैं। पत्र में प्रकरण की गंभीरता एवं मानवीय पहलू को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय से समन्वय स्थापित कर मध्यप्रदेश के प्रभावित उमराह यात्रियों की सुरक्षित तथा शीघ्र भारत वापसी के लिए आवश्यक पहल करने का मुख्यमंत्री डॉ. यादव से अनुरोध किया।

बैंकिंग व्यवस्था में ग्राहकों की निजता कितनी सुरक्षित?

महेन्द्र तिवारी

भारत में डिजिटल बैंकिंग का विस्तार हुआ है। आज घर बैठे धन भेजना, बिल जमा करना, ऋण लेना और खाते की जानकारी प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। लेकिन तकनीक की इस सुविधा के साथ व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का प्रश्न भी गंभीर होता जा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों से संबंधित जानकारी के डार्क वेब पर उजागर होने की हालिया घटना ने एक बार फिर बैंकिंग व्यवस्था की साइबर सुरक्षा और नागरिकों की निजता को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

भारतीय स्टेट बैंक को 16 अक्टूबर को अपने ग्राहकों की जानकारी के संभावित खुलासे के संबंध में सूचना मिली थी। बैंक ने लगभग 3.75 लाख ऑनलाइन अभिलेखों की प्रारंभिक जाँच की, जिनमें 3,897 ग्राहक अभिलेखों में व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी पाई गई। इनमें नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल और आवासीय पते, ग्राहक पहचान संबंधी विवरण तथा ऋण और अन्य अभिलेखों से जुड़ी जानकारी शामिल बताई गई हैं। बैंक ने मामले की विस्तृत जाँच के लिए स्वतंत्र साइबर सुरक्षा संस्था को नियुक्त किया है। साथ ही यह भी कहा है कि

घटना से उसके मुख्य कामकाज, वित्तीय प्रदर्शन और व्यावसायिक निरंतरता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। हालाँकि, आँकड़ों के उजागर होने का वास्तविक स्रोत और पूरा दायरा जाँच के बाद ही स्पष्ट होगा।

इस घटना को केवल कुछ हजार ग्राहकों की जानकारी उजागर होने तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। बैंकिंग व्यवस्था विश्वास पर आधारित होती है। ग्राहक अपनी मेहनत की कमाई के साथ अपनी निजी और वित्तीय जानकारी भी बैंक को सौंपता है। यदि यह जानकारी अनधिकृत व्यक्तियों तक पहुँचती है, तो उसके दुरुपयोग की आशंका पैदा होती है। अपराधी ग्राहकों के नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और ऋण संबंधी विवरणों का इस्तेमाल करके स्वयं को बैंक अधिकारी बताकर फोन कर सकते हैं। वे किसी वास्तविक लेनदेन या ऋण का उल्लेख करके ग्राहक का विश्वास जीतने और उससे गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर सकते हैं। इस प्रकार जानकारी का खुलासा आगे चलकर वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी और मानसिक परेशानी का कारण बन सकता है।

हालाँकि, यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि व्यक्तिगत जानकारी

के उजागर होने का अर्थ अपने आप बैंक खाते से धन चोरी होना नहीं है। बैंक ने ग्राहकों के खातों की शेष राशि सुरक्षित होने की बात कही है। फिर भी, संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। ग्राहकों को अनजान फोन, संदिग्ध संदेश और अपरिचित कड़ियों से सावधान रहना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में अपना एकमुश्त गुप्त संकेतांक, व्यक्तिगत पहचान संख्या अथवा बैंकिंग का गुप्त शब्द किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए। खाते में संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल बैंक से संपर्क करना चाहिए।

इस प्रकरण में बैंक की जिम्मेदारी केवल जाँच कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे यह पता लगाना होगा कि जानकारी किस माध्यम से बाहर पहुँची, सुरक्षा व्यवस्था में कहाँ कमी रही और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं। यदि कुछ ग्राहक प्रभावित हुए हैं, तो उन्हें समय पर स्पष्ट सूचना देना और सहायता उपलब्ध कराना आवश्यक है। सुरक्षा व्यवस्था में नियमित परीक्षण, सीमित अभिगम, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पहचान को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बाहरी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से होने

वाले संभावित जोखिमों की भी जाँच जरूरी है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वित्तीय संस्थाओं के लिए साइबर सुरक्षा के स्पष्ट मानक, नियमित अनुपालन जाँच और उल्लंघन की स्थिति में जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा को केवल तकनीकी विभाग का दायित्व मानना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए बैंक के प्रबंधन से लेकर प्रत्येक कर्मचारी तक सतर्कता और जिम्मेदारी की संस्कृति विकसित करनी होगी।

डिजिटल बैंकिंग आधुनिक अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है, लेकिन इसकी सफलता केवल तेज सेवाओं और सुविधाजनक लेनदेन से नहीं मापी जा सकती। वास्तविक सफलता तब होगी, जब ग्राहक बिना भय के अपनी मेहनत की कमाई बैंक में रख सकें और उसे विश्वास हो कि उसकी निजी जानकारी सुरक्षित है। एसबीआई से जुड़ी यह घटना याद दिलाती है कि तकनीकी प्रगति के साथ सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही को भी समान महत्त्व देना होगा। ग्राहक का विश्वास किसी भी बैंक की सबसे बड़ी पूँजी है और उसकी रक्षा करना बैंकिंग व्यवस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है।

आगामी त्यौहारों पर अग्नि सुरक्षा के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जारी किए निर्देश

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा आगामी त्यौहारों एवं पर्वोत्सवों के दृष्टिगत प्रदेशभर में जन-धन की सुरक्षा तथा अग्नि दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने समस्त कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि त्यौहारों के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक, सामाजिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों, मेलों तथा बाजारों में जनसमूह की संभावित उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएँ। जारी निर्देशों के अनुसार, जिला प्रशासन को संबंधित नगरीय निकायों, पुलिस विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं तथा अन्य सम्बद्ध विभागों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख धार्मिक स्थलों, पूजा पंडालों, मेला प्रांगणों एवं भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार अग्निशमन वाहनों एवं प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मियों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाएगी। साथ ही, आयोजन स्थलों पर स्थापित किए जाने वाले अस्थायी पंडालों, मंचों एवं संरचनाओं में ज्वलनशील सामग्रियों के उपयोग पर सख्ती से नियंत्रण रखने तथा विद्युत व्यवस्था की गहन जाँच कर खुले तारों व ओवरलोडिंग को तत्काल दुरुस्त करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

महामना मालवीय और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम की तैयारी

सकल ब्राह्मण परिचय सम्मेलन 25 दिसंबर को चेंबर भवन में

ग्वालियर जीएनएस

सकल ब्राह्मण महासमिति की ओर से भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर 25 दिसंबर को 19वां निशुल्क सकल ब्राह्मण विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन, ग्वालियर में महासमिति के संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज की अध्यक्षता में होगा। महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा के निर्णय के अनुसार सम्मेलन में विभिन्न ब्राह्मण समाजों के विवाह योग्य



युवक-युवतियों को परिचय का अवसर मिलेगा।

सम्मेलन की तैयारियों और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए 31 अक्टूबर को शाम 5-15 बजे महासमिति के प्रधान कार्यालय, ऊंट पुल स्थित किताब घर के पास बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें

युवक-युवतियों के परिचय के साथ तलाकशुदा, विधवा और विधुर व्यक्तियों के पुनर्विवाह के लिए पंजीयन की व्यवस्था पर भी चर्चा होगी। सम्मेलन के पंजीयन की तारीख घोषित करने के साथ महासमिति की महिला अध्यक्ष बीना भारद्वाज के पुनर्गठन की तिथि पर भी विचार किया

जाएगा। बैठक में प्रतिका पाठक, जितेंद्र शर्मा, गौरव मिश्रा, रामनारायण मिश्रा, गिरिराज गुरुजी, डॉ. ओएन कौल, ब्रह्मदत्त पांडेय शास्त्री, शशिकांत दीक्षित, विजय कब्जु, रवि गौड़, महेश मिश्रा, मनोज त्रिपाठी, महेश मुद्गल और डॉ. केशव पांडे सहित अन्य सदस्यों ने समाज को एकजुट करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुन्नालाल शर्मा और देवेन्द्र कुमार पाठक ने किया। सुधा दीक्षित और संगीता शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग, महिलाएं और युवा उपस्थित रहे।

संपत्ति कर वसूली में तेजी लाएं, नामांतरण प्रकरण समय-सीमा में निपटाएं



ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम के अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने बुधवार को निगम मुख्यालय स्थित संपत्ति कर विभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संपत्ति कर संबंधी कार्यों, नामांतरण प्रकरणों के निराकरण और कर वसूली की प्रगति की जानकारी ली।

अपर आयुक्त राव ने निर्देश दिए कि संपत्ति नामांतरण से जुड़े सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनके

शीघ्र निराकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने संपत्ति कर वसूली के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के लिए सक्रियता और गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। साथ ही बकायादारों से संपर्क कर नियमानुसार कर वसूली करने और राजस्व संग्रहण में तेजी लाने पर जोर दिया। अपर आयुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा संपत्ति कर संबंधी सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

टीएमजेड से 14 हजार युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने का दावा

ग्वालियर के लिए ऐतिहासिक सौगात है टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन : गिराज सिंह गुर्जर

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर में टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की स्थापना को पार्षद एवं भाजपा ग्वालियर ग्रामीण के पूर्व जिला मंत्री गिराज सिंह गुर्जर ने ऐतिहासिक सौगात बताया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से 14 हजार युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने के साथ हजारों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर रहे गुर्जर ने प्रवास के तीसरे दिन उटीला, बहांगी कला, बहांगी खुर्द, केनपुरा, दुहिया, अरौली, टिहोली,



द्वारिकागंज, बडेरा फुटकर, सकतपुरा, टांकोली, निडावली, भोगीपुरा, धनवाई और मानपुरा सहित 15 गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को नववर्ष के कैलेंडर भेंट किए और

दीपावली की शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गुर्जर ने कहा कि केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयासों से ग्वालियर को टेलीकॉम

मैनुफैक्चरिंग जोन की सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और युवाओं को लाभ मिलेगा।

गुर्जर के अनुसार, टीएमजेड की आधारशिला रखने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ग्वालियर प्रवास कार्यक्रम जल्द निर्धारित होने की संभावना है। उन्होंने ग्रामीणों से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का साक्षी बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति आभार व्यक्त किया।



अमर धाम मंदिर में मनाई शरद पूर्णिमा, नई कार्यकारिणी गठित

ग्वालियर जीएनएस

गोल पहाड़िया स्थित नवग्रह अमर धाम मंदिर में शरद पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्रसादी वितरण किया गया। साथ ही सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में नरेंद्र मंगल अध्यक्ष, मनोज डिंगरे मंत्री, धनलाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नितेश मंगल संगठन मंत्री, राजू

गोस्वामी और वाजीराव मंडली उपाध्यक्ष, संजु गर्ग सहमंत्री, जितेंद्र पांडे कोषाध्यक्ष, दिनेश राणा प्रसार-प्रसाद मंत्री, राजू बाथम मीडिया प्रभारी तथा धनीराम को सेवा प्रमुख बनाया गया। कार्यक्रम में विजय कनौजिया, बनवारी परिहार, नंदू कुशवाहा, हंसराज कुशवाहा, महेंद्र कुशवाहा सहित अनेक सदस्य और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कटनी बस हादसा

मालिक-चालक पर एफआईआर, परमिट निरस्त

भोपाल जीएनएस

कटनी जिले में विजयराघवगढ़-बंजारी के पास हुए बस हादसे में किशोरी की मौत और 33 यात्रियों के घायल होने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर बस मालिक शेख यासीन और चालक सत्यम पाण्डेय के खिलाफ विजयराघवगढ़ थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। एआरटीओ ने दुर्घटनाग्रस्त बस की फिटनेस और परिचालन परमिट निरस्त कर दिया है, जबकि चालक का लाइसेंस निलंबित किया गया है। एआरटीओ संतोष पाल के अनुसार, बस रजा बस सर्विस की थी। उसका पंजीयन क्रमांक एमपी-14-बीडी-0811 है।

महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ लॉ में विधिक साक्षरता शिविर, मेधावी विधि छात्रों को किया सम्मानित

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट से सतर्क रहें, समय पर लें कानूनी सहायता

ग्वालियर जीएनएस

महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ लॉ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 28 अक्टूबर को महाविद्यालय परिसर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें साइबर अपराध, सूचना प्रौद्योगिकी कानून, डिजिटल अरेस्ट और जरूरतमंदों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने से संबंधित विषयों पर जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश विवेक कुमार ने बढ़ते साइबर अपराधों, सूचना

प्रौद्योगिकी कानून की बारीकियों और डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों और नागरिकों से साइबर ठगी के प्रति सतर्क रहने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में समय पर कानूनी सहायता लेने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षवर्धन धाकड़ ने नालसा की गरीबी उन्मूलन संबंधी विधिक सेवा योजनाओं तथा तस्करी और व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों के लिए उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा व्यवस्था



समाज के कमजोर, गरीब और शोषित वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसपीएस राघव ने विषय प्रवर्तन किया। जिला विधिक सहायता अधिकारी योगेश बंसल ने जिले में उपलब्ध

निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में बताया।

शिविर में लीगल एड क्लिनिक के माध्यम से समाज सेवा और विधिक जागरूकता में योगदान देने वाले विधि विद्यार्थियों शैलजा सिंह, नियति राजपूत, सचिन बघेल, सुनील कुमार लेखराज, आकाश रावत और

अजय अहिरवार को 'बेस्ट वॉलंटियर्स अवॉर्ड 2025-26' से सम्मानित किया गया। निदेशक चंद्र प्रताप सिकरवार ने विद्यार्थियों को शिविर में मिली जानकारी को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. रूबी गुप्ता ने किया। पैरालीगल वॉलंटियर पूजा दोहरे और श्रद्धा प्रजापति की टीम द्वारा बनाई गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। डॉ. बिमला प्रजापति, प्रो. नौवेन्द्र सिंह रावत, प्रो. सौम्या गुप्ता, डॉ. श्रद्धा सिंह, डॉ. सुनील श्रीवास और प्रो. हर्ष कौरव सहित अन्य प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।